

नए नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र।

सत्र 2: हेरोदेस महान तक यूनानी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट द्वारा,

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट और उनका न्यू टेस्टामेंट इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम है, जिसे गॉर्डन कॉलेज में पढ़ाया जाता है। यह अलेक्जेंडर, हेलेनिज्म और हेरोदेस महान के समय तक के हेस्मोनियों पर व्याख्यान #2 है।

A. समीक्षा और सारांश [00:00-1:48]

ए. समीक्षा, यूनानियों का उदय, मेसेडोन के फिलिप और अलेक्जेंडर [लघु वीडियो: संयुक्त ई.; 00:00-8:06]

ठीक है, आपका फिर से स्वागत है। हम अब तक फ़ारसी साम्राज्य और बेबीलोन से संक्रमण, 612 ईसा पूर्व में नीनवे के विनाश और 586 ईसा पूर्व में मंदिर के विनाश, नबूकदनेस्सर, डैनियल, ईजेकील, फिर 70 साल के निर्वासन और फिर साइरस के साथ फ़ारसी लोगों के अधीन वापसी पर चर्चा कर रहे हैं। हम फ़ारसी साम्राज्य के माध्यम से काम कर रहे हैं। हमने फ़ारसी साम्राज्य के संस्थापक साइरस द ग्रेट के बारे में बात की है, जो पुराने नियम में "मसीहा" कहे जाने वाले एक महान व्यक्ति थे। साइरस फ़ारसी साम्राज्य के संस्थापक थे, योद्धा जिन्होंने इसे शुरू किया। हमने कैम्बिसेस के बारे में बात की, उनका बेटा जो एक तरह से नामी था जो मिस्र चला गया। डेरियस आयोजक था, जिसने एक पहाड़ के किनारे बेहिस्टन शिलालेख बनाया। डेरियस वह व्यक्ति है जिसने 515 ईसा पूर्व में दूसरा मंदिर पूरा किया। फिर आपके पास ज़ेरेक्सेस है जिसकी शादी एस्तेर से हुई, अर्तक्षत्र जिसके लिए नेहेमिया उसका प्याला वाहक था, और फिर आपके पास फ़ारसी साम्राज्य के क्षीण होते दिन हैं जब विभिन्न लोगों ने सत्ता संभाली लेकिन वे कुछ नहीं थे, मशाल चली गई। अंत में, डेरियस III तक, और यह लगभग 334-333 ईसा पूर्व की बात है, जिसने सिकंदर महान के साथ युद्ध किया और यही वह समय था जब सिकंदर ने सत्ता संभाली।

B. सिकंदर महान और मैकाबीज़ का परिचय [1:48-4:10]

इसलिए अब हम फ़ारसी साम्राज्य से इस बदलाव पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं, जो पूर्व से आगे बढ़ रहा है। अब यूनानी पश्चिम से आने वाले हैं और यहीं पर संस्कृति का यह विशाल परिवर्तन पूर्व से पश्चिम की ओर होगा: इज़राइल पूर्व है। अब यह ग्रीस में बदल जाएगा। सिकंदर ऐसा करने वाला है। तो चलिए यहाँ हेलेनिज़्म पर कुछ शुरुआती सवाल पूछते हैं। हेलेनिज़्म का मतलब है ग्रीक संस्कृति। सिकंदर ने दस साल में दुनिया को कैसे जीत लिया? उसने यह कैसे किया? यह बहुत प्रभावशाली है, वह एक युवा व्यक्ति था, उसकी मृत्यु लगभग 32-33 वर्ष की उम्र में हुई। उसने दुनिया को जीत लिया, जब वह लगभग 23 वर्ष का था, तब शुरू हुआ होगा। सिकंदर के साम्राज्य का क्या हुआ? दस साल में दुनिया को जीतने के बाद, उसकी मृत्यु हो गई। फिर क्या होता है कि यह युवा व्यक्ति, वह मृत्यु के लिए तैयार नहीं है, और उसका साम्राज्य बिखर जाता है। हम इसे पाँच खंडों में देखेंगे जो बाद में इज़राइल के इतिहास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। नया नियम हिब्रू के बजाय ग्रीक में क्यों लिखा गया है? सिकंदर और यूनानी भाषा के बीच क्या संबंध था? मैं इस बारे में बात करना चाहता हूँ और कैसे सिकंदर उस समय पूरी दुनिया में यूनानी भाषा का प्रसार करने जा रहा था। सिकंदर से यहूदी रोमन शासन में कैसे पहुँचे? सिकंदर लगभग 333 ईसा पूर्व में आया था, लेकिन यीशु के समय में, आप देखेंगे कि यह सब रोमन शासन था। तो ग्रीक से रोमन में बदलाव कैसे हुआ? और ग्रीस के प्रमुख शक्ति और सार्वभौमिक साम्राज्य और रोम के बीच यह बदलाव कैसे हुआ? तो हम आगे इसी बारे में बात करेंगे।

फिर जब हम संक्रमण पर चर्चा करेंगे, तो मैकाबीज़ (जैसा कि आप में से कई लोगों ने इस कक्षा में पढ़ा है, 1 मैकाबीज़) नामक ये लोग होंगे। तो मैकाबीज़ लड़कों, हम सीखेंगे कि मैकाबीज़ ने कैसे खेला। हम समझेंगे कि 1 और 2 मैकाबीज़, अपोक्रीफा में हैं, और वे 165 ईसा पूर्व के आसपास के इतिहास का वर्णन करते हैं। तो सिकंदर 333 ईसा पूर्व है, लगभग आधे रास्ते पर, और मैकाबीज़, जो यहूदी हैं, आने वाले हैं और फिर वे उस समय सीरियाई लोगों से लड़ने वाले हैं। मैं मैकाबीज़ को देखना चाहता हूँ और उस पृष्ठभूमि के बारे में कुछ जानना चाहता हूँ। मैकाबीज़ वास्तव में नए नियम में आने वाली कुछ भूमिका निभाएँगे।

C. समीक्षा: फारस, ग्रीस और मैसेडोनिया [4:10-5:52]

यह एक समीक्षा मानचित्र है। यह हमारा फ़ारसी साम्राज्य है और आप सिंधु नदी से लेकर पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान, यहाँ फ़ारस, मेसोपोटामिया तक जहाँ आज इराक है, तुर्की, इज़राइल और मिस्र, सभी फ़ारसी साम्राज्य के प्रभुत्व या आधिपत्य के अधीन हैं। ग्रीस अकेले खड़ा है, और अब ग्रीस वापस लड़ने जा रहा है। एथेंस यहाँ अचिया में है। अलेक्जेंडर वास्तव में यहाँ मैसेडोनिया से है। इसलिए अलेक्जेंडर को पहले यहाँ आकर ग्रीस को एकजुट करना होगा क्योंकि एथेंसियन और स्पार्टन्स, यहीं, हर समय एक दूसरे से लड़ रहे थे। इसलिए अलेक्जेंडर, वास्तव में उनके पिता फिलिप ऑफ मैसेडोन, इसमें कुछ मदद करने जा रहे हैं। फिलिप ऑफ मैसेडोन और अलेक्जेंडर को फारसियों के पीछे जाने से पहले ग्रीस को एकजुट करने की आवश्यकता है। तो आगे क्या होने वाला है। यहाँ ग्रीस है, यहाँ एथेंस है, कोरिंथ, इस्थमस में, और स्पार्टा। ये तीनों वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। कोरिंथियन की पुस्तक के माध्यम से कोरिंथ, एथेंस, पॉल वहाँ बोलेंगे, स्पार्टा, योद्धा, और मैसेडोनिया, सबसे ऊपर। मैसेडोन के फिलिप सिकंदर के पिता हैं। इसलिए फिलिप्पी का नाम वास्तव में मैसेडोनिया में सिकंदर के पिता फिलिप के नाम पर रखा गया है। थेसालोनिका और बेरिया भी वहाँ ऊपर हैं। इसलिए सिकंदर मूल रूप से यहाँ ग्रीस को एकजुट करने जा रहा है और फिर वह यहाँ जाकर वास्तव में पूर्व में फारसियों को हराने जा रहा है और ट्रॉय जाएगा। वैसे, यह वह जगह है जहाँ ट्रॉय है। यहीं, फारस में, या तुर्की में। यह वह जगह है जहाँ होमर की *इलियड* और *ओडिसी* घटित होती है।

D. मैसेडोन के फिलिप और सिकंदर महान [5:52- 8:05]

चलिए सिकंदर के बारे में बात करते हैं। सिकंदर के बारे में बात करने से पहले, हमें मैसेडोन के फिलिप के बारे में बात करनी होगी। मैसेडोन के फिलिप सिकंदर के पिता थे। फिलिप एक सैन्य प्रतिभा थे। उन्होंने एक लड़ाकू मशीन विकसित की जिस पर सिकंदर सवार होने वाला था। मैं सिकंदर से कुछ भी नहीं छीनना चाहता। सिकंदर प्रतिभाशाली था। लेकिन मैसेडोन के फिलिप ने अपने बेटे को योद्धा बनने के लिए प्रशिक्षित किया। जो हुआ वह यह था कि मैसेडोन के फिलिप ने एक ऐसी सेना बनाई जो प्राचीन दुनिया में अद्वितीय थी। यह पूरे साल लड़ सकती थी। आमतौर पर प्राचीन दुनिया में, डेविड के साथ 2 शमूएल अध्याय 11 से भी, आपको यह बात मिलती है कि राजा वसंत ऋतु में युद्ध के लिए जाते थे। क्योंकि वसंत ऋतु वह समय था जब आप गेहूं और

जौ की कटाई कर सकते थे ताकि आपके सैनिक भूखे न रहें। इसलिए आप हमेशा कटाई के समय युद्ध में जाते थे। इसलिए आप चलते समय लोगों से भोजन छीन सकते थे और आपको आपूर्ति की आवश्यकता नहीं थी। मैसेडोन के फिलिप ने अपने सैनिकों को पूरे साल आपूर्ति करने का एक तरीका निकाला ताकि उनके सैनिक केवल वसंत और पतझड़ के बजाय पूरे साल लड़ सकें। तो मैसेडोन के फिलिप ने युद्ध मशीन बनाई और वह इसे अपने बेटे को सौंपने जा रहा था। मैसेडोन के फिलिप भी चाहते थे कि उनके बेटे को सर्वोत्तम संभव तरीके से शिक्षा मिले। इसलिए मैसेडोन के फिलिप ने अरस्तू को बुलाया और अपने बेटे को पढ़ाया। सिकंदर ने अरस्तू के अधीन अध्ययन किया। अरस्तू ने किसके अधीन अध्ययन किया? क्या आपको याद है? अरस्तू ने प्लेटो के अधीन अध्ययन किया, और प्लेटो ने सुकरात के अधीन अध्ययन किया। तो आपके पास सुकरात है, एक तरह का पुराना बुद्धिमान व्यक्ति, सुकरात प्लेटो के पास गया, प्लेटो अरस्तू के पास गया। अरस्तू तर्कशास्त्र के गुरु थे, एक अरस्तू के तर्कशास्त्र और नैतिकता, निकोमैचेन नैतिकता। फिर अरस्तू ने सिकंदर को पढ़ाया। तो सिकंदर को एक योद्धा के रूप में प्रशिक्षित किया गया, लेकिन उसे एक विद्वान के रूप में भी प्रशिक्षित किया गया। फिर सिकंदर उन दोनों चीजों को एक साथ जोड़कर लगभग दस से बारह वर्षों में पूरी दुनिया को जीतने जा रहा था। तो यह बहुत प्रभावशाली है। तो मैसेडोन के फिलिप की लगभग 336 ईसा पूर्व में हत्या कर दी गई।

E. सिकंदर द्वारा फारसियों को हराना [8:06 - 10:17]

बी. सिकंदर के कारनामे

[लघु वीडियो: कम्बाइन ईएच; 8:06-18:03]

जैसा कि हमने पहले कहा, सिकंदर की पृष्ठभूमि अरस्तू के साथ थी, जो उसके लिए बहुत अच्छी बात थी, शिक्षित होना। वह ग्रैनिकस नदी पर तुर्की में प्रवेश करता है, जो महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन मूल रूप से ट्रॉय तक फारसियों को हरा देता है। इसलिए वह उत्तरी भाग से तुर्की में आता है और 334 में फारसियों को हरा देता है। यह ग्रैनिकस नदी पर उसकी पहली बड़ी जीत है।

मेरे लिए दिलचस्प बात यह है कि फारसियों को हराने के बाद, वह उनका पीछा नहीं करता। वह वास्तव में कहता है, "अरे, मैं यहाँ ट्रॉय में हूँ।" वह कभी ट्रॉय नहीं गया। इसलिए

सिकंदर ट्रॉय जाता है और वहाँ जाता है जहाँ *इलियड* और *ओडिसी* और अकिलीज़ की घटनाएँ घटित हुई थीं। वह ट्रॉय को सम्मान देता है। इसलिए सिकंदर समय निकालता है, वहाँ जाता है और ट्रॉय का दौरा करता है। फारसियों का सीधे पीछा करने के बजाय, वह इस मामले में भी शानदार है कि वह एशिया माइनर या तुर्की के तट के साथ सभी शहरों पर कब्जा कर लेता है। वह तट रेखा के नीचे जाता है और सभी तटीय शहरों पर कब्जा कर लेता है। इस तरह फारसी उसकी आपूर्ति लाइनों को काटने के लिए नावें नहीं भेज सकते। यह एक शानदार कदम था। सिकंदर तटीय शहरों पर कब्जा कर लेता है और फारसी उसकी आपूर्ति लाइनों को नहीं काट सकते, और वह फारसियों का सीधे पीछा करने के बजाय अपने सैनिकों तक आपूर्ति का भंडार बनाए रखने में सक्षम है। वह इस्सस आता है। इस्सस ठीक वहीं है जहाँ तुर्की सीरिया से मिलता है, भूमध्य सागर के कोने पर, उत्तर पूर्वी कोने पर। वह 333 ईसा पूर्व में इस्सस में फिर से फारसियों को हराता है, और यहीं से मैं सिकंदर से तारीख निकालता हूँ, 333, इस्सस में उसकी जीत। अब जबकि वह तुर्की और वहां के कोने में है, वह सबसे पहले क्या करता है, वह सिर्फ फारसियों का पीछा करते हुए फारस, ईरान और इराक तक नहीं जाता है। वह जो करता है, वह सबसे पहले मिस्र जाता है। और यह चतुराई क्यों है? वह नहीं चाहता कि फारसी उसके पीछे छिपकर उसकी पीठ पर वार कर सकें। इसलिए उसे अपनी पीठ ढकनी होगी, इसलिए वह मेसोपोटामिया में फारसियों का पीछा करने से पहले पहले मिस्र जाता है। इसलिए वह उन्हें इस्सस में हरा देता है और फिर दक्षिण की ओर मिस्र जाता है।

F. टायर की हार [10:17- 13:35]

दक्षिण की ओर जाते हुए वह लेबनान से होकर नीचे आता है, जहाँ सीरिया और लेबनान अब हैं, जो कि इसराइल के ठीक उत्तर में है, और वह टायर शहर में पहुँचता है। अब टायर शहर के बारे में यहजेकेल अध्याय 26 में कुछ भविष्यवाणियों की गई हैं। भविष्यवक्ता यहजेकेल ने कहा था कि टायर को पैनकेक की तरह सपाट बना दिया जाएगा। टायर शहर को समतल कर दिया जाएगा और मछुआरे वहाँ अपने जाल फैलाएँगे क्योंकि यह बहुत सपाट है।

अब आप प्राचीन दुनिया के बारे में पूछें, जब कोई राजा किसी शहर को नष्ट करता है, तो आमतौर पर वे शहर को जला देते हैं, उसे जला देते हैं, और लोगों को मार देते हैं। शहर खंडहर में

रह जाता है। कोई राजा शहर को समतल करने के लिए समय और प्रयास नहीं लगाने वाला है। इसलिए आमतौर पर शहरों को जला दिया जाता है, उन्हें जला दिया जाता है, लोगों को मार दिया जाता है, और राजा आगे बढ़ जाता है, और आपके पास ये सभी खंडहर होते हैं, जो कभी-कभी सैकड़ों वर्षों तक पड़े रहते हैं। खंडहर बने रहते हैं। यहाँ ऐसा नहीं हुआ। यह बहुत ही अनोखा है। सिकंदर टायर के पास आया, टायर के लोगों ने कहा, "सिकंदर, हम तुम्हारे सामने झुकने वाले नहीं हैं, तुम कौन हो, सिकंदर।" उन्होंने कहा, "अरे, हमारे पास भूमध्य सागर में यह द्वीप है, सिकंदर।" वे द्वीप पर गए और उन्होंने कहा, "अरे, सिकंदर, तुम हमें नहीं पकड़ सकते, हम यहाँ समुद्र में हैं। तुम्हारे पास कोई नाव नहीं है, तुम हमें यहाँ से नहीं निकाल सकते।" इसलिए सिकंदर तट पर है और कह रहा है, "एक मिनट रुको, मुझे शहर लेना है। ये लोग मुझे अपमानित कर रहे हैं।" तो उसने मूल रूप से कहा, "ठीक है, उन्होंने टायर शहर ले लिया है जो तट की भूमि पर था" और फिर सिकंदर शहर से पत्थर लेता है और उन्हें समुद्र में फेंक देता है। और अधिक पत्थर लेता है, और उन्हें समुद्र में फेंक देता है। वह द्वीप तक जाने के लिए एक मार्ग बनाता है, समुद्र को भरता है, उस द्वीप पर जाता है, और वह मार्ग बनाने के लिए पत्थर कहाँ से लाता है, वह उन्हें शहर से लेता है, जिसे पहले टायर कहा जाता था। वह शहर को समतल कर देता है, ठीक वैसे ही जैसे बाइबिल में कहा गया है, "यह समतल होगा ताकि मछुआरे वहाँ अपने जाल फैला सकें।" वह शहर के पत्थर लेता है, उन्हें समुद्र में फेंकता है, और उस द्वीप पर निकल जाता है। और आज भी, अगर आप गूगल मैप्स पर जाएँ, और लेबनान जाएँ, जो कि इज़राइल के ठीक उत्तर में है, शायद 30-40 मील की दूरी पर, तो आप देखेंगे कि भूमध्य सागर में एक छोटा सा दाना या फुंसी जैसा कुछ उभरा हुआ है। यह टायर है और यही वह मार्ग है जिसे सिकंदर ने उस द्वीप तक बनाया था। आप देख सकते हैं, यह भूमध्य सागर में बिल्कुल वैसा ही है, जैसा कि आप आज भी गूगल मैप्स पर देख सकते हैं। यह वहीं पर बना हुआ है। वैसे, आप उस द्वीप पर नहीं जाना चाहेंगे जब सिकंदर वहाँ जाएगा। आप उनकी जगह पर नहीं रहना चाहेंगे।

लेकिन फिर भी सिकंदर ने टायर पर कब्ज़ा कर लिया, लेकिन सिकंदर को छह या आठ महीने लगे, दस साल में से छह या आठ महीने वह पूरी दुनिया को जीतने जा रहा था, उसने टायर पर कब्ज़ा करने में छह या आठ महीने बिताए, बस एक जगह। वास्तव में ऐसा करने में, वह किसी

तरह से शास्त्र को पूरा कर रहा था। यहजेकेल में एक पूरी भविष्यवाणी है और कुछ कई पूर्ति वाली चीजें हैं जिनके साथ आपको काम करना है। कई बार चीजें होती हैं और यह परतदार होती हैं, यह परतदार होती हैं। यह जितना मैं समझ रहा हूँ, उससे कहीं ज़्यादा जटिल है, मुझे इसका एहसास है। लेकिन उस शहर को समतल करने में सिकंदर का बड़ा हाथ था।

अब, वैसे, क्या सिकंदर यहूदियों के साथ मिलजुलकर रहने वाला था? हाँ, यहूदी भागकर कहते हैं, "अरे, सिकंदर, देखो, तुमने टायर को गिरा दिया, ठीक वैसे ही जैसे हमारी बाइबल कहती है। यहजेकेल ने कहा था कि यह समतल होगा, तुमने इसे समतल कर दिया।" और सिकंदर कहता है, "अरे यहूदी बहुत अच्छे लोग हैं।" तो सिकंदर ने यहूदियों के साथ कोई खिलवाड़ नहीं किया। वह बस मिस्र चला गया, यहूदी ज़्यादातर पहाड़ों पर थे, उसे उनकी चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी, और इसलिए वह मिस्र चला गया।

G. मिस्र में सिकंदर [13:35- 14:21]

सिवा नामक स्थान पर पहुँचता है और यह वह स्थान है, याद रखें, कैम्बिसेस को परेशानी हुई थी। यहाँ जो हुआ वह यह है कि लोगों ने कहना शुरू कर दिया कि जब वह मिस्र गया, तो फिरौन को भगवान माना जाता था। मिस्र में, फिरौन को भगवान या भगवान का बेटा माना जाता था जबकि मेसोपोटामिया में, राजा भगवान का प्रतिनिधि था। और इसलिए दो अलग-अलग संरचनाएँ थीं। सिकंदर मिस्र में पहुँचता है, राजा एक भगवान है, इसलिए उसे यह बात समझ में आने लगती है। इस बिंदु पर उसका सिर बड़ा होने लगता है। सिवा में कुछ लोगों का मानना है, यहीं पर उसे पहली बार यह विचार आया कि वह दिव्य है। फिर वह मिस्र ले जाता है, फिर वह वापस जाता है, उसे वापस जाना पड़ता है, मिस्र से बाहर, इज़राइल को पार करते हुए, सीरिया से होते हुए, और वह आगे बढ़ता है और बेबीलोन पर कब्ज़ा कर लेता है।

H. अंतरसांस्कृतिक विवाह और वैश्वीकरण [14:21- 18:03]

अब जब वह बेबीलोन पर कब्ज़ा करता है, तो वह रौक्सैन नामक एक अफ़गान महिला से शादी कर लेता है। अब यह महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ग्रीक है, फिर भी वह एक अफ़गान महिला से शादी कर रहा है। अलेक्जेंडर वैश्वीकरण की इस धारणा को रखने वाले पहले लोगों में से एक है। तो वह जो करता है वह एक ओपिस भोज कहलाता है। इस ओपिस भोज में, मूल रूप से वह उन सभी

अलग-अलग देशों के लोगों को आमंत्रित करता है जिन पर उसका प्रभुत्व था। वह उन्हें इस सांस्कृतिक रूप से विविध भोज में आमंत्रित करता है जहाँ ये सभी लोग इन सभी अलग-अलग देशों से अलेक्जेंडर की उपस्थिति में भोजन करने आते हैं। तो यह पूरी दुनिया को जीतने की धारणा है। वैश्वीकरण ने अलेक्जेंडर को ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। लेकिन समस्या क्या है? उसके सैनिक कह रहे हैं, "हम आठ या दस साल से घर से दूर हैं, यार, हम इससे थक गए हैं।" अलेक्जेंडर कहता है, "अरे, ग्रीस वापस जाने के बारे में मत सोचो, यहाँ के लोगों के साथ विवाह करो।" खैर, ग्रीक लोग यह सुनना नहीं चाहते। ये लोग कहते हैं, "मेरे घर पर पत्नी और बच्चे हैं, मैं यहाँ किसी से विवाह नहीं करना चाहता।" तो अलेक्जेंडर कहता है, "नहीं, विवाह करो।" इसलिए उसके सैनिक विवाह के कारण थोड़े बेचैन होने लगते हैं। सच कहूँ तो, अलेक्जेंडर बहुत ज़्यादा शराब पीता है, इसलिए मैं उसे "अलेक्जेंडर द ग्रेप" कहता हूँ क्योंकि वह बहुत ज़्यादा शराब पीता है, और वह नशे में है और फिर, उसके सैनिकों ने कुछ हद तक अलेक्जेंडर के लिए सम्मान खो दिया क्योंकि वह ग्रीक को सर्वश्रेष्ठ कहने के बजाय यह अंतर-सांस्कृतिक काम कर रहा था। इसलिए चीजें नीचे की ओर बढ़ने लगती हैं। वह हिंदू कुश पर्वतों तक जाता है, और मूल रूप से अफ़गानिस्तान से होते हुए पाकिस्तान तक जाता है, और अलेक्जेंडर उस पूरे क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लेता है। अब मेरा बेटा मुझे बताता है कि वह अफ़गानिस्तान पर कब्ज़ा कर लेता है लेकिन अफ़गानिस्तानी कहते हैं "नहीं, किसी ने कभी हम पर विजय प्राप्त नहीं की है।" अफ़वाह यह है कि उसने अफ़गानिस्तान पर कब्ज़ा कैसे किया, उसने अफ़गानिस्तान की एक राजकुमारी से शादी की और इसलिए, उन्होंने लड़ाई नहीं की। इसके बजाय, उन्होंने एक तरह से गठबंधन बनाया, बजाय इसके कि अलेक्जेंडर द्वारा विजय प्राप्त की जाए। इसलिए मुझे नहीं पता। मुझे ऐतिहासिकता के संदर्भ में इस पर और अधिक शोध करना होगा, लेकिन कम से कम यह अफ़गानियों के मामले में है। सिकंदर ने उन पर विजय प्राप्त नहीं की, उसने उनके साथ विवाह किया। तो यह भी दिलचस्प है। फिर भी, सिकंदर ने सिंधु नदी और मूल रूप से फारसी साम्राज्य तक पूरे क्षेत्र पर अपना दबदबा कायम किया। तो दस वर्षों में सिकंदर ने पूरी ज़मीन पर कब्ज़ा कर लिया। अब, ये सांस्कृतिक समामेलन हैं। अब आपके पास ग्रीक संस्कृति है, आपके पास मिस्र की संस्कृति है, आपके पास मेसोपोटामिया की संस्कृति है, आपके पास ईरान में आर्यन संस्कृति है, और अफ़गानिस्तान से आगे तक। तो ग्रीक पोलिस से परे यह आंदोलन है,

"पोलिस" का अर्थ है शहर, जैसे "महानगर"। यूनानी शहर-राज्य हैं, और मूल रूप से अब आपके पास शहर-राज्य से परे इस पूरे सार्वभौमिक साम्राज्य तक आंदोलन है। सिकंदर इसे एक साथ रख रहा है, वैश्वीकरण की यह धारणा जहाँ एथेंस में ग्रीक भाषा बोली जा सकती है और आप बेबीलोन में ग्रीक भाषा बोल सकते हैं और आप मिस्र में ग्रीक भाषा बोल सकते हैं। इसलिए, पूरी दुनिया ने ग्रीक भाषा बोलना शुरू कर दिया, और ग्रीक संस्कृति के बारे में जागरूक होना शुरू कर दिया। यह तब नए नियम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। भाषा के साथ अक्सर दुनिया का नज़रिया आता है, जिस भाषा को कोई बोलता है उसके ज़रिए दुनिया को देखने का एक तरीका। तो आपके पास यह बदलाव है जो पूर्वी, सेमिटिक, हिब्रू और अरामी भाषा से पश्चिमी, हेलेनिस्टिक, जिसे कोइन ग्रीक कहा जाता है, की ओर जाता है।

I. यूनानी भाषा और ईश्वर की भाषा [18:03-22:52]

सी. ग्रीक भाषा, अलेक्जेंड्रिया, क्लैप्स

[लघु वीडियो: कंबाइन आईके; 18:03-29:18]

मैं बस थोड़ा सा इस पर बात करना चाहता हूँ। मुझे यहाँ गॉर्डन कॉलेज में एक दशक से भी ज़्यादा समय तक ग्रीक पढ़ाने का सौभाग्य मिला है। कोइन ग्रीक, सिकंदर से पहले ग्रीस में जो था वह एक द्वंद्वत्मक ग्रीक था। तो एथेंस में एटिक ग्रीक था, स्पार्टा था, हर शहर-राज्य की ग्रीक की अपनी छोटी बोली थी। अब इसमें समस्या यह है कि जब आप सैनिकों की एक सेना को जोड़ना चाहते हैं, तो आपको एक ही भाषा बोलने की ज़रूरत होती है। आपकी सेना के लोगों को एक ही भाषा बोलने की ज़रूरत होती है ताकि जब आप युद्ध के लिए जाएँ, तो आप एक ही पृष्ठ पर हों। तो सिकंदर ने जो किया वह यह था कि उसने ग्रीक भाषा को मिला दिया। वह मैसेडोनिया से था, उसने भाषा को मिलाकर कोइन ग्रीक बना दिया। कोइन ग्रीक लगभग 300 ईसा पूर्व से लेकर लगभग 300 ईस्वी तक प्रचलन में आया। इसके ठीक बीच में क्या है। नया नियम। लगभग 300 ईसा पूर्व से लेकर लगभग 300 ईस्वी तक कोइन ग्रीक है। अब कोइन ग्रीक क्या है? कोइन का मतलब बस "सामान्य" होता है और जो होता है वह यह कि सिकंदर उन्हें शहर-राज्य की बोलियों से अलग करता है, और वह एक सार्वभौमिक ग्रीक, एक आम ग्रीक बनाता है ताकि ये सैनिक बोल सकें।

यह बहुत रोचक है; 19^{वीं} सदी से लेकर 1880-1890 के दशक तक के विद्वानों को भी नहीं पता था कि कोइन ग्रीक क्या है। कुछ लोगों को लगा कि नया नियम जिसे वे "पवित्र आत्मा ग्रीक" कहते हैं, में लिखा गया था। उन्हें नहीं पता था कि यह किस तरह की ग्रीक है। फिर अचानक, 1880-1890 के दशक के आसपास, उन्हें ये पपीरस मिलने लगे, और पपीरस उसी भाषा में लिखा गया था जिसमें नया नियम लिखा गया था। उन्होंने जो खोजा वह यह था कि नया नियम आम भाषा में लिखा गया था, जिसे मैं "स्ट्रीट ग्रीक" कहता हूँ, आम ग्रीक। यह शास्त्रीय, उच्च ग्रीक में नहीं लिखा गया था। यह लोगों की आम भाषा में लिखा गया था।

मेरे लिए यह कहना बहुत बड़ी बात है कि भगवान कौन सी भाषा बोलते हैं? भगवान हमेशा एक ही भाषा बोलते हैं। भगवान लोगों की भाषा बोलते हैं। भगवान लोगों की भाषा बोलते हैं। जब उनके लोग हिब्रू बोलते थे, तो भगवान उनसे कैसे संवाद करते थे? उन्होंने हिब्रू में संवाद किया। जब वे अरामी में बदल गए? उन्होंने अरामी में बदल दिया। वैसे, यीशु अरामी बोलते थे। यह शायद उनकी मूल भाषा है। यीशु कहेंगे “ एलोई एलोई लामा सबाकथानी ” “ एलोई एलोई,” “मेरे भगवान, मेरे भगवान, आपने मुझे क्यों त्याग दिया?” “ तालिथा कुम ” “छोटी लड़की, उठो।” यीशु के पास कई अरामी वाक्यांश होंगे और आप आज भी लोगों से अरामी भाषा में बात करते हुए यीशु के इन वाक्यांशों को सुनेंगे। तो यीशु अरामी बोलते थे? संभवतः उनकी मातृभाषा है। उन्होंने संभवतः ग्रीक और संभवतः कुछ अन्य भाषाएँ भी बोली होंगी। उस संस्कृति के कई लोग बहुभाषी हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि इज़राइल दोनों देशों के बीच की भूमि है, और इसलिए, आपके पास बहुत अधिक वाणिज्य और व्यापार होगा। जब भी आपके पास वाणिज्य और व्यापार होता है, तो लोग चार और पाँच अलग-अलग भाषाएँ सीखते हैं। तो यीशु, संभवतः हिब्रू, ग्रीक, अरामी, संभवतः कुछ लैटिन और कुछ अन्य क्षेत्रीय बोलियाँ जानते होंगे।

तो कोइन ग्रीक ने फिर अपना स्थान ग्रहण कर लिया। नया नियम लोगों की भाषा में लिखा जाएगा। मैं हमेशा लोगों से पूछता हूँ, आज लोगों की भाषा क्या है? मुझे लगता है कि आज की भाषा, अगर भगवान आज की भाषा में बात करने जा रहे हैं, तो वह डिजिटल है। अब वर्णमाला 26 अक्षरों की नहीं है; वर्णमाला 1 और 0 है, डिजिटल माध्यम। डिजिटल 1 और 0 आपको पाठ में बोलने की अनुमति देता है। 1 और 0 आपको छवियों में बोलने की अनुमति देता है। आप चित्र बना सकते हैं

और आप लोग फ़ोटोशॉप और विभिन्न चीज़ों में चित्र बना सकते हैं। यह सब 1 और 0, नई वर्णमाला, डिजिटल वर्णमाला के कारण है। आप उसी 1 और 0 से ध्वनि बना सकते हैं, और आप में से बहुत से लोग अपने iPod या किसी और चीज़ पर mp3 सुनते हैं। तो मूल रूप से 1 और 0 आपको ध्वनि व्यक्त करने की अनुमति देता है। 1 और 0 आपको वह करने की भी अनुमति देता है जो हम अभी इस वीडियो के साथ कर रहे हैं जिसे आप अभी देख रहे हैं, यह सब 1 और 0 है, वही डिजिटल माध्यम। तो मेरे लिए, ऐसा लगता है, आज भगवान कैसे संवाद करेंगे? वह डिजिटल माध्यम का उपयोग करेंगे, आज भगवान के वचन को संप्रेषित करने के लिए लोगों की भाषा का उपयोग करेंगे। तो जैसे भगवान ने उस समय ग्रीक, कोइन ग्रीक, सामान्य ग्रीक का उपयोग किया था, वैसे ही मुझे लगता है, आज ईसाइयों को भगवान की महिमा और दूसरों की भलाई के लिए डिजिटल माध्यम का उपयोग करना चाहिए और डिजिटल माध्यम में भगवान के वचन को संप्रेषित करना चाहिए। यही एक कारण है कि, उदाहरण के लिए, यदि आप इस कक्षा में हैं, तो आप जानते हैं, कि मैंने DASV, डिजिटल अमेरिकन स्टैंडर्ड संस्करण पर काम किया, और उस पूरी चीज़ को एक साथ रखा, डिजिटल अमेरिकन स्टैंडर्ड संस्करण, मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि डिजिटल इसे ऑनलाइन और इतने सारे अलग-अलग संदर्भों, फोन, टैबलेट और कंप्यूटर की अनुमति देता है। तो वैसे भी, लोगों की भाषा, कोइन ग्रीक, ग्रीक में बदल गई, इसका तब बड़ा प्रभाव पड़ने वाला है।

J. सिकंदर की मृत्यु के बाद: तालियाँ [22:52- 27:16]

अब, सिकंदर मर जाता है। वह एक युवा व्यक्ति के रूप में मरता है। उसका बच्चा बहुत छोटा है, वे उसकी पत्नी के साथ कुछ करते हैं, लेकिन मूल रूप से उसके सेनापति उसकी जगह लेते हैं। बच्चा बहुत छोटा है। मेरा मतलब है, सिकंदर केवल 32 या 33 साल का था। तो क्या होने वाला है कि हमारे पास चार सेनापति हैं और फिर एक पाँचवाँ व्यक्ति यहाँ आने वाला है। यह वास्तव में डैनियल अध्याय 11 में बहुत ही रोचक ढंग से वर्णित है। इस तरह की घटना की भविष्यवाणी की गई है। पोलिस से, शहर से *ओइकौमेन*, सभ्य दुनिया की ओर यह आंदोलन है। यह आंदोलन एक बहुत ही प्रांतीय *पोलिस*, शहर से, इस *ओइकौमेन*, पूरी सभ्य दुनिया की ओर है। कैसैंडर उनके सेनापतियों में से एक था जिसने मैसेडोनिया को प्राप्त किया, जो ग्रीस में वापस आ गया, यह कोई बड़ी बात नहीं है। वह मर जाता है। हम वास्तव में इसके बारे में चिंतित नहीं हैं। थ्रेस, मैसेडोनिया से

भी वापस लिसिमाचस को जाता है। इसलिए हम इस क्लैप्स एक्रोस्टिक के माध्यम से काम करने जा रहे हैं। तो यहाँ आपका सी.एल. है। ये दोनों लोग, न्यू टेस्टामेंट काल में हमारे लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं। यह आदमी महत्वपूर्ण है, एंटीगोनस । ध्यान दें कि उसे सीरिया और मेसोपोटामिया मिलता है। तो उसे सीरिया और मेसोपोटामिया मिलता है और मेरा मानना है कि उसे तुर्की भी मिला। तो उसे तुर्की, सीरिया और मेसोपोटामिया मिला। एंटीगोनस को तुर्की से लेकर मेसोपोटामिया और उससे आगे तक का यह विशाल क्षेत्र मिलता है। तो इस एंटीगोनस को पाई का सबसे बड़ा टुकड़ा मिलता है। अब जब भी जनरलों को पाई का सबसे बड़ा टुकड़ा मिलता है, तो क्या दूसरे जनरल ईर्ष्या करने वाले हैं? यही होने वाला है। तो मिस्र किसे मिलेगा? मिस्र, रोटी की टोकरी, टॉलेमी नाम के एक आदमी को मिलती है। वह लैगी का बेटा है । तो टॉलेमी कई दशकों तक मिस्र में रहेगा। मैं अक्सर लोगों से कहता हूँ, मैं तुम्हें मिस्र का इतिहास पढ़ाने जा रहा हूँ। मैं तुम्हें टॉलेमिक काल पढ़ाने जा रहा हूँ। मैं चाहता हूँ कि आप टॉलेमिक मिस्र के सभी टॉलेमिक शासकों को याद कर लें। यह इस प्रकार है। टॉलेमी I, टॉलेमी II, टॉलेमी III, टॉलेमी IV... टॉलेमी... मुझे लगता है कि यह XXIV या ऐसा ही कुछ है, लगातार चौबीस टॉलेमी। तो खैर टॉलेमी के साथ इस समय मिस्र का इतिहास यही है। मेरा एक मित्र है, डेव मैथ्यूसन , जो एक अद्भुत न्यू टेस्टामेंट विद्वान है, और डेव कहता है “P-टोलेमी , P- टोलेमी ,” वह P का उच्चारण करता है। मैं इसे “न्यूमोनिया” की तरह करता हूँ जहाँ P मौन हो जाता है। इसलिए मैं कहूँगा “(p) टॉलेमी ” सिवाय इसके कि मैंने इसे दोनों तरह से कहते सुना है, कुछ लोग “टॉलेमी” कहते हैं, अन्य लोग केवल “(p) टॉलेमी ” कहते हैं । मैं "(पी) टोलमी " लोगों में से एक हूँ क्योंकि मैं अपने मुँह से इस तरह "पी- टोलेमी " नहीं बोल सकता । लेकिन वैसे भी, तो टॉलेमी मिस्र पर कब्जा करने जा रहा है।

तो टॉलेमी मिस्र में होगा, एंटीगोनस सीरिया में होगा और इजराइल एंटीगोनस और टॉलेमी के बीच में होगा। अब टॉलेमी क्या करने जा रहा है, वह कहेगा कि एंटीगोनस को बहुत बड़ा टुकड़ा मिल गया है, इसलिए टॉलेमी अपने एक जनरल सेल्यूकस को नियुक्त करने जा रहा है , और सेल्यूकस ऊपर जाकर एंटीगोनस पर हमला करने जा रहा है । तो टॉलेमी का जनरल सेल्यूकस ऊपर जाएगा और वह टॉलेमी के अधीन होगा। टॉलेमी उसे वहाँ भेजेगा और एंटीगोनस को बाहर निकालेगा । सेल्यूकस मूल रूप से ऊपर जाकर एंटीगोनस से सीरिया लेने जा रहा है । तो अब

आपके पास सीरिया में सेल्यूकस और मिस्र में टॉलेमी है। सीरिया और मिस्र के बीच में क्या है? बीच में क्या है? जैसा कि आज है, दक्षिण में मिस्र, उत्तर में सीरिया, और इजराइल बीच में है। तो सेल्यूकस और टॉलेमी, ये दोनों लोग इजराइल में आगे-पीछे आते-जाते रहेंगे। अगले सौ सालों के लिए, यह 300 से लेकर लगभग 200 ईसा पूर्व तक है। टॉलेमी 300 से 200 ईसा पूर्व तक इजराइल पर शासन करेंगे। मोटे तौर पर, टॉलेमी सहिष्णु होंगे। वे यहूदियों के प्रति दयालु होंगे। वे वास्तव में कुछ तरीकों से यहूदियों का समर्थन करेंगे। तो टॉलेमी काल 323 से 198 ईसा पूर्व है, इसलिए मूल रूप से 300 से 200, सौ साल की अवधि। टॉलेमी, यहूदियों के प्रति सहिष्णु होंगे और यह एक अच्छी बात है। वे मिस्र पर शासन करने जा रहे हैं, और वे फिलिस्तीन पर शासन करने जा रहे हैं। टॉलेमी का फिलिस्तीन पर लगभग सौ साल तक नियंत्रण रहेगा। टॉलेमी "राजा" की उपाधि लेंगे, इसलिए वे जनरल से आगे बढ़ते हैं और तीन या चार राजा की उपाधि लेते हैं, यह हमारे लिए वास्तव में महत्वपूर्ण नहीं है।

K. अलेक्जेंड्रिया [27:16- 29:18]

लेकिन अलेक्जेंड्रिया का निर्माण हुआ। तट पर अलेक्जेंड्रिया शहर, डेल्टा क्षेत्र में, पश्चिम की ओर थोड़ा सा, लगभग 200 ईसा पूर्व बनाया जाएगा। अलेक्जेंड्रिया शिक्षा का केंद्र होगा। अलेक्जेंड्रिया शिक्षा के महान केंद्रों में से एक होगा। जब आप देशों के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में सोचते हैं, तो प्रत्येक क्षेत्र कुछ चीजों के लिए जाना जाता है। अगर मैं आपसे पूछूं, और आप एक अमेरिकी हैं, मैं राजनीति कहता हूं, जब आप राजनीति कहते हैं तो कौन सा शहर आता है? दुर्भाग्य से वाशिंगटन डीसी। अगर मैं आपसे कहूं स्टॉक ट्रेडिंग, अगर मैं आपसे कहूं स्टॉक ट्रेडिंग, तो कौन सा शहर दिमाग में आता है? न्यूयॉर्क शहर। अगर मैं आपसे कहूं हाई टेक, तो कौन सी जगह दिमाग में आती है? वेस्ट कोस्ट पर सिलिकॉन वैली। सिलिकॉन वैली वह जगह है जहां एडोब, एप्पल, गूगल और वे सभी कंपनियां हैं। अगर मैं आपसे कहूं मूवी, कौन सी जगहें मूवी बनाती हैं? ये हॉलीवुड, एलए, मूवी, मूवी सेंटर हैं। अगर मैं अमेरिका में शिक्षा कहूं, तो आप कौन सा शहर कहेंगे? ये बोस्टन है। हार्वर्ड, एमआईटी, गॉर्डन कॉलेज! बोस्टन क्षेत्र। यहां 48 कॉलेज हैं। आपके पास ब्रैंडिस है, आपके पास टफ्ट्स यूनिवर्सिटी है, आपके पास ये सब है, आप जानते हैं, साथ ही हार्वर्ड और हार्वर्ड और एमआईटी भी है। गॉर्डन कॉलेज का बोस्टन से बाहर होना गॉर्डन कॉलेज के लिए अच्छी चीजों

में से एक है। अलेक्जेंड्रिया शिक्षा केंद्रों में से एक था। उनके पास दुनिया की सबसे बड़ी लाइब्रेरी में से एक होगी। वे अलेक्जेंड्रिया में दुनिया भर से किताबें इकट्ठा करने जा रहे हैं। यह एक अद्भुत लाइब्रेरी होगी, प्राचीन दुनिया की कांग्रेस की लाइब्रेरी। इसके जैसी कोई दूसरी जगह नहीं है। यह शिक्षा का केंद्र था, जिसे लगभग 200 ईसा पूर्व बनाया गया था। अब जहां तक इजरायल का सवाल है, हमारे लिए क्या महत्वपूर्ण है ? आइए बस एक कदम पीछे हटें और इस पर नज़र डालें।

L. यहूदी धर्म और ग्रीक संस्कृति इंटरफ़ेस: धर्म [29:18-31:01]

डी. यहूदी धर्म और ग्रीक संस्कृति [लघु वीडियो: एल -ओ का संयोजन; 29:18-35:36]

आइए यहूदी धर्म और यूनानी संस्कृति के बीच सांस्कृतिक अंतराफलक के क्षेत्रों को देखें। यहूदी धर्म और यूनानी संस्कृति को अब एक दूसरे का सामना करना है। तो आपके पास अलग-अलग क्षेत्र हैं, जब हम संस्कृति के बारे में बात करते हैं, तो संस्कृति के विभिन्न पहलू क्या हैं? उन क्षेत्रों में से एक विशेष रूप से यहूदियों के लिए होगा, यह एक बड़ा क्षेत्र है, जिसे धर्म कहा जाता है। और इसलिए धर्म, यहूदी लोग, आप जानते हैं कि वे खतना करते हैं। यहूदी लोग कोषेर खाते हैं, वे कुछ खाद्य पदार्थ खाते हैं; वे अन्य खाद्य पदार्थ नहीं खाते हैं। वे कुछ ऐसी चीजें करते हैं जो अशुद्ध हैं और कुछ ऐसी चीजें जो साफ हैं। इसलिए यहूदियों के पास अपने जातीय चिह्न हैं। उनके पास अपने स्वयं के यहूदी चिह्न हैं जो उन्हें यहूदी होने के रूप में चिह्नित करते हैं। और वे यहोवा की पूजा करते हैं। वे एक ईश्वर, यहोवा, या याहवे, और प्रभु, ईश्वर की पूजा करते हैं। दूसरी ओर, यूनानी, आप जानते हैं, ज़ीउस और कई देवता, और देवता एक दूसरे से लड़ते हैं और झगड़ा करते हैं। इसलिए यूनानियों के पास कई देवता होंगे और उनके पास क्षेत्रीय देवता, शहर के देवता और बड़े देवता होंगे, और यूनानियों और यहूदियों के पास पुजारी होंगे। पुजारी धर्म, बलि प्रणाली, मंदिरों और मंदिर-राज्यों और मंदिरों वाले शहर-राज्यों का हिस्सा होंगे और इसलिए आपके पास मंदिर और पुजारी और धर्म के इर्द-गिर्द ये सब चीजें होंगी, जो इन विभिन्न क्षेत्रों के धर्म का समर्थन करेंगी। नए नियम के समय, आप सम्राट की पूजा को देखेंगे जहाँ इफिसस और अन्य स्थानों जैसे विभिन्न शहरों

में सम्राट के लिए रोमन मंदिर होंगे। इसलिए धर्म विशेष रूप से प्राचीन दुनिया में एक बड़ा कारक होगा।

M. अमेरिकी संस्कृति [31:01- 32:14]

अब बेशक, आधुनिक संस्कृति में, हर किसी ने धर्म को नीचा दिखाने, धर्म को चुप कराने और हमारी संस्कृति से धर्म को बाहर निकालने की कोशिश की है। फिर भी, यह हमारी संस्कृति का एक बड़ा हिस्सा है और आमतौर पर हमारी संस्कृति में इसे अपमानजनक शब्दों में बोला जाता है। अगर कोई कहता है कि वह इंजीलवादी है, तो हमारी संस्कृति में उसे नीचा दिखाया जाता है। अब आपको स्कूल में ज्यादा प्रार्थना करने की अनुमति नहीं है, स्कूलों से दस आज़ाएँ हटा दी गई हैं, प्रार्थनाएँ, युवा लड़की मुकदमा कर रही है क्योंकि दीवार पर एक प्रार्थना है जो उन्हें पसंद नहीं है क्योंकि वे नास्तिक हैं। तो अमेरिकी संस्कृति में धर्म को चुप कराने का एक वास्तविक प्रयास किया गया है। आप सार्वजनिक रूप से लगभग खुलेआम यौन संबंध बना सकते हैं, लेकिन फिर भी, लेकिन फिर भी धर्म को निजी माना जाता है। धर्म को अब बेडरूम में डाल दिया गया है जबकि सभी प्रकार की कामुकता को बेडरूम से बाहर निकाल दिया गया है। यह अमेरिकी संस्कृति की तरह है, मुझे लगता है कि यह एक दिलचस्प उलटफेर है। बेशक, मैं व्यंग्य कर रहा हूँ, आपको इसके बारे में पता होना चाहिए। मैं अतिशयोक्ति का प्रयोग करते हुए बातें बढ़ा-चढ़ाकर कह रहा हूँ, लेकिन धर्मनिरपेक्ष प्रगतिवादियों द्वारा अमेरिकी संस्कृति से धर्म को मिटाने का वास्तविक प्रयास किया गया है।

N. संस्कृति के सैन्य और राजनीतिक पहलू [32:14-34:20]

सेना में जनरल होते हैं, सेनाएँ होती हैं, और नए नियम में हम गॉल के लोगों को "शताब्दी" कहते हुए देखेंगे। शताब्दी सेना और रोम पर होगी और आपको वहाँ रोमन सेनाएँ मिलेंगी, मुझे लगता है कि यरूशलेम में एक ब्लॉक है जिस पर रोमन 10^{वीं} सेना से एक एक्स है जो यरूशलेम में तैनात थी। शताब्दियाँ सौ से अधिक सैनिक हैं। यीशु एक शताब्द से मिलेंगे जो उनसे अपने सेवक की मदद करने के लिए कहेगा। और इसलिए हमारे पास यह पूरी सैन्य संरचना होगी जहाँ सेनाएँ घुसपैठ करेंगी जबकि ग्रीक सेनाएँ, रोमन सेनाएँ, कई बार फिलिस्तीन में घुस जाएँगी। तो सेना एक संस्कृति को परिभाषित करने का हिस्सा है। फिर ये जनरल भी सेवानिवृत्त होंगे। जब ये सैन्य नेता

सेवानिवृत्त होंगे तो उन्हें कुछ लाभ मिलेंगे। तो आप कोरिंथ में सैन्य लोगों को देखेंगे, आप फिलिप्पी में सैन्य लोगों को देखेंगे।

राजनीतिक, आपके पास राजा या सम्राट होगा, और इसलिए ये राजनीतिक संरचनाएँ होंगी। आपके पास रोम में राजा, सम्राट और राज्यपाल और सीनेटर होंगे। आपके पास यह राजनीतिक संरचना होगी जो संस्कृति के साथ-साथ न्यायालयों का भी हिस्सा होगी। न्यायालय विभिन्न कार्य करेंगे और हम पॉल को रोमन न्यायालय में जाते हुए देखेंगे और अग्रिप्पा और इज़राइल में फेलिक्स, फेस्टस और अग्रिप्पा जैसे विभिन्न लोगों के सामने अपना बचाव करते हुए देखेंगे। तो वहाँ राजा हैं, राज्यपाल हैं, प्रांतीय शासक हैं, प्रांतीय शासक होंगे, और फिर ये बड़े सीनेटर होंगे। तो सम्राट से लेकर नीचे तक एक पूरी राजनीतिक संरचना है। और फिर जहाँ तक संस्कृति की बात है, वहाँ दास होंगे। दास और स्वतंत्र लोग होंगे, बहुत अधिक मात्रा में दासता, ऐसी ही चीज़ें। तो हमारे जैसी नस्लीय दासता नहीं, बल्कि गुलाम बनाए गए लोग, कुछ दासों के अच्छे दिन होंगे, उनमें से कुछ के बुरे दिन। वे खदानों में चले जाते हैं। यह वास्तव में दुष्ट दासता होगी। कुछ गुलाम उच्च पद पर बैठे लोगों के थे, गुलाम वास्तव में अपनी स्वतंत्रता खरीदने में सक्षम थे। इसलिए गुलामी के स्तरों में काफी विविधता थी। लेकिन आपके पास गुलाम होंगे, आपके पास स्वतंत्र लोग होंगे, समाज के विभिन्न स्तर या स्तर राजनीति से निर्मित होंगे।

O. संस्कृति का आर्थिक पहलू [34:20-35:36]

आर्थिक, और वह वास्तव में कर है। रोम, सभी साम्राज्य, वे क्या चाहते हैं? वे आपके कर के पैसे चाहते हैं। यह आज तक नहीं बदला है। सरकार आपके लिए क्या चाहती है? वे आपके लिए ये सभी शानदार सेवाएँ प्रदान करना चाहते हैं। रोम पूरे ब्रह्मांड के लिए शांति और सद्भाव प्रदान करना चाहेगा। यह क्या है? वे आपका पैसा, आपका कर चाहते हैं। तो यही खेल का नाम है और आज भी यही है। जैसा कि मैं आप लोगों को देखता हूँ, मैं कहूँगा कि 15 ट्रिलियन डॉलर 16 ट्रिलियन डॉलर पर जा रहे हैं, आप और आपके पोते-पोतियाँ हमारी सरकार की अद्भुत परोपकारिता के कारण अपने जीवन के बाकी हिस्सों के लिए भुगतान करेंगे। अब मुझे खेद है अगर आप मेरी आवाज़ में व्यंग्य सुन सकते हैं। यह बकवास है। सरकार को सत्ता पसंद है, और इसलिए वह पैसे के माध्यम से इसे हासिल करती है, इस तरह से लोगों पर हावी होती है, इसलिए इस तरह की चीज़ों से सावधान

रहें। आपके पास व्यापारी हैं, व्यापारी जो मूल रूप से साम्राज्य भर में जुड़ेंगे, वाणिज्य वाले लोग और आगे-पीछे होने वाली चीज़ें। मिस्र रोम को भोजन के साथ नावें भेजेगा, रोम प्राचीन दुनिया भर में वाणिज्यिक सामान भेजेगा। प्राचीन दुनिया रोम को सामान भेजती थी, यह साम्राज्य की आर्थिक समृद्धि का लाभ है। साम्राज्य के परिणामस्वरूप शांति और समृद्धि लाई जाती है। इसलिए ये चीज़ें संस्कृति में शामिल हैं।

P. हेलेनिज़्म के प्रति यहूदियों की प्रतिक्रियाएँ: फरीसी, सद्दूकी, एसेन, कट्टरपंथी

[35:36- 42:09]

एफ. यहूदी संप्रदायों, हेलेनिज़्म का परिचय

[लघु वीडियो; संयुक्त पीआर; 35:36-46:38]

अब समस्या यह है कि यहूदी हेलेनिज़्म पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं? जब हेलेनिज़्म हावी हो जाता है तो यहूदियों की हेलेनिज़्म पर क्या प्रतिक्रिया होती है? सबसे पहले, जब हेलेनिज़्म आता है तो कुछ यहूदी मूल रूप से कहते हैं, "हमें हेलेनिज़्म की आवश्यकता नहीं है।" और इसलिए वे मूल रूप से सुधार की मांग करेंगे, ये **फरीसी होंगे**, फरीसी पीछे हटेंगे और कहेंगे, "नहीं, नहीं, हम ग्रीक संस्कृति नहीं चाहते हैं, हम यहूदी हैं, और इसलिए हम इसे नहीं चाहते हैं।" वे अलग हो जाएंगे। इसलिए मूल रूप से यहूदी खुद को हेलेनिस्टिक संस्कृति से अलग कर लेंगे। ये फरीसी हैं। वे अधिक रूढ़िवादी हैं, और वे अपनी परंपराओं को संरक्षित करना चाहते हैं। क्या यह परिचित लगता है? परंपरा - छत पर फ़िडलर, वे अपनी परंपराओं को संरक्षित करना चाहेंगे और इसलिए वे हेलेनिज़्म को अस्वीकार करना चाहते हैं क्योंकि हेलेनिज़्म को धर्म के साथ समझौता करने के रूप में देखा जाता है। इसलिए फरीसी सख्त थे, वे यहूदी धर्म की अपनी विचारधारा को संरक्षित करने के लिए अलग होना चाहते थे। तो यह फरीसी प्रतिक्रिया थी। हेलेनिज़्म आ रहा है, फरीसी कहते हैं, "नहीं, हम संरक्षित करना चाहते हैं इसलिए हम अलग होने जा रहे हैं, हम अपनी परंपराओं को बनाए रखने जा रहे हैं।" इसलिए फरीसी खुद को सुधारेंगे और कहेंगे, "नहीं, हम इसका हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं।"

सद्दूकी "दुखी हैं-आप देखिए।" सद्दूकी कहेंगे, "नहीं, नहीं, नहीं, हेलेनिज़्म आ रहा है, हमें उनके साथ आत्मसात करने की जरूरत है।" यदि आप किसी **को** हराना चाहते हैं, तो आप

आत्मसात करते हैं, उनका हिस्सा बन जाते हैं। इसलिए हम इस हेलेनिस्टिक संस्कृति का हिस्सा बनना चाहते हैं। इसलिए सद्रूकी हार मानने के लिए बहुत अधिक इच्छुक हैं। उनमें से कुछ व्यायामशालाओं में जाकर कुश्ती लड़ते थे। अब उन दिनों व्यायामशालाओं में कुश्ती करने में क्या समस्या थी? उन दिनों, लोग नग्न अवस्था में कुश्ती लड़ते थे। अब समस्या यह है कि आप एक यहूदी हैं, यह स्पष्ट है कि आपका खतना हुआ है, और इसलिए कुछ यहूदी वास्तव में खतने की प्रक्रिया को उलटने के लिए ऑपरेशन करवाने की कोशिश करेंगे, ताकि वे यूनानियों के खिलाफ कुश्ती कर सकें और यूनानियों की तरह दिख सकें। सद्रूकी भी अमीर थे। ये आपके बहुत से उच्च वर्ग के लोग हैं, हम यूनानियों के साथ आत्मसात करना चाहते हैं। बहुत से सद्रूकी अमीर थे जबकि बहुत से फरीसी वास्तव में गरीब थे। वे यहूदी लोग थे, वे अपनी संस्कृति को बहुत मजबूती से थामे रखना चाहते थे, जबकि सद्रूकी आप्रवासन करके कुछ राजनीतिक नेता बन गए जो अमीर थे। इसलिए वे आत्मसात करने जा रहे थे और फिर से आप देख सकते हैं कि सद्रूकियों और फरीसियों के बीच संघर्ष क्यों है। हेलेनिज्म के खिलाफ प्रतिक्रिया करने के दो अलग-अलग तरीके: एक हेलेनिज्म के खिलाफ, दूसरा हेलेनिज्म को स्वीकार करना। वैसे, आज भी हमारे पास उसी तरह की सांस्कृतिक प्रतिक्रिया है कि ईसाई धर्मनिरपेक्षता पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं? कुछ ईसाई, लगभग गले लगा लेंगे और देखेंगे कि वे धर्मनिरपेक्षता के कितने करीब पहुंच सकते हैं ताकि वे वर्तमान संस्कृति के साथ विभिन्न तरीकों से शांत हो सकें और चीजें कर सकें। अन्य पीछे हट जाएंगे और कहेंगे, "नहीं, हम धर्मनिरपेक्षता का हिस्सा नहीं बनना चाहते, हम अपनी परंपराओं को बनाए रखना चाहते हैं।" तो आपको आज भी रूढ़िवादियों और आत्मसात करने वालों के साथ उसी तरह की चीजें मिलती हैं, आज भी समझौता करते हैं।

अब यहाँ एक और समूह है जिसका उल्लेख नए नियम में बहुत ज़्यादा नहीं किया गया है। कुछ लोगों को लगता है कि जॉन द बैपटिस्ट इनमें से एक हो सकता है। मूल रूप से यह, जब हेलेनिज्म सामने आता है तो यह समूह कहता है, "हम इतना अलग होना चाहते हैं कि हम संस्कृति से अलग हो जाएँ।" ये लोग फिर रेगिस्तान में भिक्षु बन जाते हैं और इन्हें डेड सी स्क्रॉल समुदाय कहा जाता है। डेड सी स्क्रॉल कहता है कि हम हेलेनिस्टिक संस्कृति के साथ घुलना-मिलना नहीं चाहते हैं, और हम उनके भीतर नहीं रहना चाहते हैं और अपनी परंपराओं को इसके बीच में रखने

की कोशिश नहीं करना चाहते हैं। **एसेनियों ने** सोचा (एसेनियाँ डेड सी स्कॉल के लोग हैं) फरीसी बहुत ढीले थे। इसलिए वे फरीसी को नीची नज़र से देखते हैं और कहते हैं कि वे चीज़ों के आगे झुक रहे हैं। इसलिए ये लोग चले जाएँगे और डेड सी के पास अपना समुदाय बनाएँगे। वे डेड सी के पास गए और उन्होंने शास्त्र की नकल की। उन्होंने धर्मग्रंथों की नकल की, उन्हें जार में डाला, उन्हें इन गुफाओं में रखा, और अचानक, 1948 में, एक छोटा लड़का वहां एक पत्थर फेंकता है, बच्चा अंदर जाता है, और वह मृत सागर स्कॉल निकालता है। 2000 साल वहां रहने के बाद, यह बिल्कुल अविश्वसनीय है, 1948 में एक लड़के द्वारा पाई गई 20^{वीं} सदी की सबसे महान खोजों में से एक, मृत सागर स्कॉल, जिसे अब आप अंग्रेजी अनुवाद में पढ़ सकते हैं। हमारे एक मित्र हैं, डॉ. मार्टी एबेग, जिन्होंने मृत सागर स्कॉल पर बहुत अधिक काम किया है। यह 20^{वीं} सदी की सबसे महान खोजों में से एक है। मृत सागर स्कॉल, काफी हद तक इस समुदाय का परिणाम है। एस्सेन्स ने कहा, "हेलेनिज़्म बाहर आ रहा है, हम रेगिस्तान में वापस जा रहे हैं और अपना समूह बनाएंगे।" इसलिए वे मूल रूप से संस्कृति से दूर हो गए और फिर भविष्य की ओर देखने लगे जब सर्वनाश आया और दुनिया का अंत आया और तब उन्हें न्यायोचित ठहराया जाएगा और बुरी दुनिया नष्ट हो जाएगी। अराजकता, सर्वनाश की तरह। एसेन के साथ "अब सर्वनाश" जैसी चीज़, उन्होंने उससे बचने के लिए भविष्य की ओर देखा।

और फिर, यहाँ एक और दृष्टिकोण है। हेलेनिज़्म ने आने की कोशिश की। फरीसी कहते हैं, "नहीं, हम अपनी परंपराओं को बनाए रखेंगे, धन्यवाद, हमें आपकी चीज़ें नहीं चाहिए।" सद्दूकी कहते हैं, "ओह हाँ, चलो उनके साथ एकीकृत होते हैं, चलो यूनानियों का हिस्सा बनते हैं।" एसेन कहते हैं, "नहीं, नहीं, हम जा रहे हैं और अपना खुद का छोटा सा समुदाय बना लेंगे।" **ज़ीलॉट्स ने** कहा, "हम हेलेनिज़्म पर हमला करने जा रहे हैं और हम यूनानियों और उनकी ग्रीक संस्कृति को मार डालेंगे।" **ज़ीलॉट्स** वास्तव में हमला करेंगे, शारीरिक रूप से लड़ेंगे, और इस बुतपरस्त संस्कृति का पीछा करेंगे जो आ रही थी। वे वास्तव में तलवार से धर्म, अपनी संस्कृति की रक्षा करेंगे। कई लोग पॉल को **ज़ीलॉट** मानते हैं, पॉल ईसाइयों को मारने के लिए बाहर जा रहा था क्योंकि उसने सोचा, "अरे, यह यहूदी धर्म का उल्लंघन है और ये लोग यहूदी धर्म का उल्लंघन करने के कारण दुष्ट हैं।" इसलिए वह उनके पीछे निकल गया। पौलुस फरीसियों का फरीसी था, फिलिप्पियों की पत्नी से

हमें यह पता चलता है कि वह फरीसियों का फरीसी था, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि उसमें कट्टरपंथी प्रवृत्ति थी, जैसा कि डॉ. डेविड मैथ्यूसन कहते हैं।

तो, यहूदी धर्म में हेलेनिज्म के प्रति ये चार प्रतिक्रियाएँ हैं। सिकंदर के दुनिया पर कब्ज़ा करने के साथ यूनानियों के साथ हेलेनिज्म यहूदी धर्म में आ रहा है और यहूदी धर्म इन चार तरीकों से प्रतिक्रिया करता है: **फरीसी, सद्रूकी, एसेन और ज़ीलॉट्स।**

Q. हेलेनिज्म— रूपकवाद [42:09-44:23]

अब, आइए हेलेनिज्म के बारे में कुछ और बात करें। हेलेनिज्म में एक चीज़ थी जिसे रूपकवाद कहा जाता था। रूपकवाद क्या है? यह व्याख्या का एक तरीका है। जब आप बाइबल की एक निश्चित तरीके से व्याख्या करते हैं, (अब हम में से कई लोग बाइबल की शाब्दिक व्याख्या करेंगे जैसा कि हम कर सकते हैं और यह शैली पर निर्भर करता है)। लेकिन रूपकवाद कहता है, "पुस्तक यह कहती है, लेकिन इसका वास्तव में कुछ और मतलब है।" इसलिए वे इन कहानियों को रूपक में बदल देते हैं। और बड़े पैमाने पर यूनानियों ने रूपक का इस्तेमाल किया क्योंकि उन्हें देवता पसंद नहीं थे, ज़ीउस अन्य देवताओं को पीटता था, और वैसे भी, उनके पास ये सभी देवता झगड़े थे। कुछ यूनानियों ने कहा कि यह वास्तव में पिछड़ापन है कि ये देवता हर समय एक-दूसरे के साथ लड़ते रहते हैं। तो वे जो करते हैं वह यह है कि वे देवताओं की लड़ाई लेते हैं और उन्हें विभिन्न अवधारणाओं के बारे में रूपक में बदल देते हैं। तो रूपक का मतलब है किसी चीज़ को लेना और उसे रूपक में बदलना। एक रूपक पिलग्रिम की प्रगति होगी जहाँ आपको पिलग्रिम इन लोगों से मिलते हैं जो विभिन्न विशेषताओं के व्यक्तित्व हैं। इसलिए पिलग्रिम्स प्रोग्रेस या सी.एस. लुईस द्वारा नार्निया श्रृंखला उन्हें समझने के अधिक रूपक तरीके होंगे। अब हेर्मेनेयुटिक्स क्या है? यह महत्वपूर्ण है। हेर्मेनेयुटिक्स की अवधारणा यह है कि आप साहित्य की व्याख्या कैसे करते हैं। आप कैसे व्याख्या करते हैं? व्याख्या करने के लिए आप किस पद्धति का उपयोग करते हैं? क्या आप रूपक का उपयोग करते हैं? क्या आप कुछ ऐसा देखते हैं जो आपको पसंद नहीं है? आप इसे किसी और चीज़ में बदल देते हैं। हेर्मेनेयुटिक्स व्याख्या का अध्ययन है, आप कैसे व्याख्या करते हैं। इसलिए हमारे पास, उदाहरण के लिए, गॉर्डन कॉलेज में, यदि आप बाइबिल अध्ययन प्रमुख बनना चाहते हैं, तो हमारे पास एक पूरा कोर्स है, जो सबसे अच्छा है, हमारे पास हेर्मेनेयुटिक्स पर एक पूरा

कोर्स है, कि आप पवित्रशास्त्र की व्याख्या कैसे करते हैं। आप कविता की व्याख्या ऐतिहासिक कथा की व्याख्या से अलग तरीके से करते हैं। आप एक दृष्टांत की व्याख्या एक ऐतिहासिक पाठ जैसे कि प्रेरितों की पुस्तक की व्याख्या से अलग तरीके से करते हैं। आप रहस्योद्घाटन की पुस्तक की व्याख्या करते हैं, वास्तव में, रहस्योद्घाटन की व्याख्या करना वास्तव में कठिन है। सर्वनाशकारी साहित्य की व्याख्या करना वास्तव में कठिन है। आप रहस्योद्घाटन की पुस्तक के प्रतीकों की व्याख्या कैसे करते हैं? वे सभी हेर्मेनेयुटिक्स हैं। आप धर्मग्रंथ की विभिन्न शैलियों की व्याख्या कैसे करते हैं?

R. मानवरूपी [44:23- 46:38]

मानवरूपता, मानवरूपता क्या है? ईमानदारी से कहें तो यूनानियों और आरंभिक ईसाइयों और यहूदियों को भी मानवरूपता अपमानजनक लगती थी। अब मानवरूपता क्या है? "मानव-" का अर्थ है मानवविज्ञान जैसा। मानवविज्ञान का अर्थ है मनुष्य या मानवजाति। "-रूपता" मॉर्फ की तरह है, जब आप कहते हैं कि कोई व्यक्ति किसी चीज़ में रूपांतरित हो जाता है, तो यह एक रूप बदल रहा है। इसलिए मानवरूपता तब होती है जब आप ईश्वर का रूप लेते हैं और उसे मानवीय शब्दों में रखते हैं। आप ईश्वर को मानवीय शब्दों में रूपांतरित करते हैं। इसलिए यह कहा जाता है, "प्रभु की आँखें इधर-उधर घूमती हैं।" क्या ईश्वर की आँखें हमारी तरह हैं? मैं सिर्फ़ इस कमरे में देख सकता हूँ। मैं यह नहीं देख सकता कि इस कमरे के बाहर क्या है। क्या ईश्वर की आँखें हमारी आँखों जैसी हैं? लेकिन फिर भी यह कहा जाता है, "प्रभु की आँखें इधर-उधर घूमती हैं।" प्रभु का हाथ एक शक्तिशाली हाथ है। उसके पास एक फैला हुआ हाथ और शक्तिशाली हाथ है। कहा जाता है कि ईश्वर के पास एक हाथ है। ईश्वर के पैरों के बारे में बात की जाती है। किस अर्थ में भगवान के पैर हैं? क्या उनके पास चलने के लिए पैर हैं? मेरा मतलब है, उनके हाथ कैसे इस्तेमाल किए जाते हैं? क्या वह वास्तव में चीजों को घेरने के लिए अपने हाथों का इस्तेमाल करते हैं? तो ये मानवीय गुण हैं, मानवीय शारीरिक गुण, हाथ, उंगलियाँ, आँखें, नाक, मुँह, कान, बाल और सिर भगवान पर वर्णित हैं। यह यूनानियों के लिए अपमानजनक था क्योंकि उनके बीच जो भौतिक है उसके बीच विभाजन था; एक तरह का द्वैतवाद था जो कहता था कि जो भौतिक है वह बुरा है और जो आध्यात्मिक है वह अच्छा है। यह द्वैतवाद जो बाद में ज्ञानवाद में हुआ और मैं इसे वापस नहीं पढ़ना चाहता, लेकिन

मोटे तौर पर, बाद में ज्ञानवाद इसके सड़क के रूप थे। मूल रूप से यह द्वैतवाद है कि आध्यात्मिक दुनिया अच्छी थी और भौतिक बुरी थी। इसलिए जब भी भगवान को भौतिक शब्दों में वर्णित किया जाता था, तो उन्हें यह अपमानजनक लगता था। इसलिए उन्होंने देवताओं की भौतिक विशेषताओं से छुटकारा पाने के तरीके के रूप में रूपकवाद का उपयोग किया और उन्हें आदर्शों, प्लेटोनिक आदर्शों, *रिपब्लिक बुक VII* और *अन्य स्थानों* से रूपों के पीछे खेलने वाले प्लेटोनिज्म के संदर्भ में अधिक वर्णित किया। ये रूप, ये आदर्श ही थे जिन्हें सामने रखा गया।

S. कोइन ग्रीक और LXX [46:38-51:49]

F. कोइन ग्रीक

[लघु वीडियो: कंबाइन एस ; 46:38-51:49]

अब, हेलेनिज्म की एक और विशेषता यह एकीकृत ग्रीक भाषा थी, यह कोइन जैसा कि वे अपनी ग्रीक भाषा, सामान्य कोइन कहते थे। यहां बताया गया है कि आप कोइन, कोइन, कोइन ग्रीक कैसे लिखते हैं। यह सामान्य ग्रीक था। यह कुछ ऐसा था जिसे मैं "स्ट्रीट ग्रीक" कहता हूं और यह 300 ईसा पूर्व से 300 ईस्वी तक था। यहाँ समस्या है। वे मिस्र के अलेक्जेंड्रिया में हैं। वे दुनिया की सभी पुस्तकों को इकट्ठा करना चाहते हैं। दुनिया की सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों में से एक हिब्रू शास्त्र, टोरा है। कानून, भविष्यद्वक्ता और लेखन, वही है जो तनक का निर्माण करता है। कानून, भविष्यद्वक्ता और लेखन यहूदी पुराने नियम के तीन खंड हैं। टोरा कानून है, निर्देश है। इसलिए टॉलेमी ने मिस्र में कमीशन किया, उन्होंने कहा, "आप जानते हैं कि हमें यहूदी शास्त्र की एक प्रति चाहिए लेकिन यहां कोई भी वास्तव में हिब्रू नहीं पढ़ सकता है।" इसलिए उन्होंने कहा, "हमें इसका हिब्रू से ग्रीक में अनुवाद करवाना है।" तो हुआ ये कि उन्होंने इसका हिब्रू से ग्रीक में अनुवाद किया और इसे सेप्टुआजेंट कहा गया। या 'सेप्टु-अजेंट', मैंने सुना है कि विभिन्न लोगों द्वारा इसे विभिन्न तरीकों से उच्चारित किया जाता है। इसका संक्षिप्त रूप इस प्रकार है: LXX। अब आपने गौर किया कि LXX क्या है, X और X, 10 और 10 के लिए रोमन अंक हैं और L है 50, इस प्रकार यह 70 हुआ। "सेप्टुआ" का अर्थ है 7. "पेंटा" का अर्थ है 5, "हेक्स" का अर्थ है 6, षट्भुज और अष्टभुज है 8, और सेप्टाभुज है 7. तो "सेप्टुआ" का अर्थ है 70. अब किसी ने मुझसे कक्षा में पूछा, इस 70 का क्या अर्थ है? खैर, अफवाह यह है कि जब टॉलेमी ने इन लोगों को काम पर रखा, तो

उसने 70 दिनों के लिए 70 लोगों को काम पर रखा, और इन 70 लोगों ने 70 दिनों में पूरे पुराने नियम का अनुवाद किया। मैं आपको बस यह बताना चाहता हूँ कि मैं एक अनुवादक रहा हूँ और जब यह 2000 का दशक है, तो कोई भी 70 अनुवादक 70 दिनों में पूरे पुराने नियम का अनुवाद नहीं कर सकता। यह बिलकुल बेतुका है। इसलिए 70 अनुवादकों द्वारा 70 दिनों में पूरे पुराने नियम का अनुवाद करने की अफ़वाह, यह पागलपन है। लेकिन मेरा अनुमान है कि उन्होंने इस पर अच्छी शुरुआत की है। आपको 70 अनुवादक मिलते हैं, वे बहुत काम कर सकते हैं, लेकिन वे हिब्रू से ग्रीक में अनुवाद कर रहे हैं। यह लगभग 250 से 150 ईसा पूर्व की बात है, इससे हमें सेप्टुआजेंट अनुवाद मिलता है। यह लगभग 150-200 साल पहले की बात है, मान लीजिए कि ईसा से 200 साल पहले, आपके पास एक ग्रीक बाइबल है। इस सेप्टुआजेंट का क्या महत्व है? यह वास्तव में महत्वपूर्ण है।

एक बार जब आपको ग्रीक में बाइबिल मिल गई, तो चलिए हिब्रू बाइबिल लेते हैं। आपके पास यरूशलेम में हिब्रू बाइबिल है। तनक कानून, पैगंबर और लेखन है। आपके पास यरूशलेम में हिब्रू बाइबिल है। उस पुस्तक को कौन पढ़ सकता है? यदि आप उस पुस्तक को मिस्र ले जाते हैं, तो क्या वे इसे पढ़ सकते हैं? उत्तर है: नहीं। वे हिब्रू नहीं पढ़ते। यदि आप इसे तुर्की ले जाते हैं, तो क्या वे इसे पढ़ सकते हैं? नहीं, वे नहीं पढ़ सकते। इसे ग्रीस ले जाएं, वे इसे नहीं पढ़ सकते। आप इसे मेसोपोटामिया ले जाएं, वे इसे नहीं पढ़ सकते। हिब्रू भाषा की बाधा के कारण इसे केवल इज़राइल में ही पढ़ा जा सकता है। अब, टॉलेमी ने इसका अनुवाद किया, हिब्रू बाइबिल का ग्रीक में अनुवाद किया, अब आप ग्रीक बाइबिल लें, क्या ग्रीक बाइबिल मिस्र जा सकती है, क्या मिस्र के लोग इसे पढ़ सकते हैं? हाँ, वे पढ़ सकते हैं। क्या ग्रीस के लोग इसे पढ़ सकते हैं? हाँ, वे पढ़ सकते हैं। क्या तुर्की के लोग इसे पढ़ सकते हैं क्योंकि यह ग्रीक में है? हाँ, वे पढ़ सकते हैं। मेसोपोटामिया, क्या वे इसे पढ़ सकते हैं? हाँ, वे कर सकते हैं। आप इसे रोम तक ले जाएँगे, क्या रोमन इसे पढ़ सकते हैं? हाँ, वे कर सकते हैं। तो अब अचानक, बाइबल, पुराने नियम को पूरी दुनिया में फैलाने की अनुमति मिल गई है और लोग अब इसे पढ़ सकते हैं। यह अविश्वसनीय है।

वैसे, यह इसे स्थापित करता है, इसलिए अब जब लोग दुनिया भर में पुराने नियम को पढ़ेंगे, तो क्या वे इस बात से अवगत होंगे कि पुराने नियम में उन्हें बताया गया है कि एक आने वाला

मसीहा है जो दाऊद का पुत्र होगा जो शासन करने वाला है? तो अब अचानक दुनिया पुराने नियम की कहानियों को जान सकती है जो 150-200 साल बाद यीशु मसीह के आने के लिए तैयार की गई थीं। इसलिए सेप्टुआजेंट यहूदी धर्म को हर जगह फैलाने की अनुमति देने के लिए एक अद्भुत चीज थी ताकि लोग चीजों को समझ सकें। अब सुसमाचार फैल सकता था क्योंकि अब पॉल जहाँ भी जाता, वह आराधनालयों में जाता और उनके पास ग्रीक बाइबिल होती जिसे वहाँ के लोग पढ़ सकते थे। इसलिए सेप्टुआजेंट के पीछे सुसमाचार फैल सकता था। और इसलिए सेप्टुआजेंट अविश्वसनीय है। वैसे, जब पॉल और अन्य लोग नए नियम में उद्धारण देते हैं, तो वे अक्सर सेप्टुआजेंट से उद्धारण देते हैं। इसलिए जब वे उद्धारण देते हैं, तो वे हिब्रू पाठ से उद्धारण नहीं देते, वे सेप्टुआजेंट ग्रीक पाठ से उद्धारण देते हैं। तो यह 200 के आसपास टॉल्मी के अधीन किया गया था जब टॉल्मी यहूदियों के अच्छे दोस्त थे। टॉल्मी सहिष्णु थे। सेल्यूसिड्स सहिष्णु नहीं थे। मिस्र ने सेप्टुआजेंट का अनुवाद किया और वे यहूदियों के प्रति सहिष्णु थे।

उन्होंने लगभग 300 से 200 तक शासन किया।

T. एंटीओकस III और IV [51:49-57:10] |

जी. सीरियन एंटीओकस, पुरोहिताई खरीदना [लघु वीडियो: टीयू को मिलाएं; 51:49-60:04]

लगभग 198 ईसा पूर्व, सीरिया से सेल्यूसिड्स इज़राइल में उतरे और इज़राइल पर विजय प्राप्त की। इसलिए लगभग 200 के आसपास सेल्यूसिड्स इज़राइल में आए और वे इज़राइल के प्रति सहनशील नहीं थे। इसलिए अब कुछ वास्तविक संघर्ष होने जा रहे हैं। सीरियाई लोग यहूदियों को हेलेनिस्टिक बनने, ग्रीक बनने के लिए मजबूर करने की कोशिश करने जा रहे हैं। इसलिए सीरियाई लोग सेल्यूसिड्स के शासन में अपना रास्ता बनाने जा रहे हैं और यहूदियों को मजबूर करने की कोशिश करेंगे। जब आप एक संस्कृति को दूसरी संस्कृति बनने के लिए मजबूर करते हैं, तो यह काम नहीं करता है। इसमें खुरदरे किनारे होते हैं, बहुत बड़ी झड़पें होने वाली हैं। और ठीक यही होता है।

एंटीओकस तृतीय महान ने सत्ता संभाली और उसने ही टॉल्मी के हाथों से इसराइल को जीता। टॉल्मी सहिष्णु थे। ईमानदारी से कहें तो मिस्र काफी प्रांतीय है। कई पीढ़ियों से मिस्र खुद को

अलग रखता है। वे दुनिया को जीतना नहीं चाहते, मिस्र बस अकेला रहना चाहता है। इसलिए सीरियाई आए, इसराइल पर कब्जा कर लिया और 198 ईसा पूर्व में पैनियन की लड़ाई में, फिलिस्तीन को टॉल्मी से छीन लिया गया जो यहूदियों के लिए अच्छे थे। रोमनों ने तस्वीर में प्रवेश करना शुरू कर दिया है। रोमनों ने अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी है। रोम क्या चाहता है? रोम मिस्र से भोजन चाहता है। वे फिलिस्तीन और सीरिया से क्या चाहते हैं? विशेष रूप से सीरिया, वे पैसा चाहते हैं। वे कर चाहते हैं। अब सीरियाई रोम के लिए पैसा कहां से लाएंगे? सीरियाई वास्तव में रोम से नहीं लड़ सकते। सीरियाई पर्याप्त रूप से मजबूत नहीं हैं। इसलिए उन्हें रोम को करों का भुगतान करने के लिए धन की आवश्यकता है, इसलिए वे इसे अपने लोगों से बहुत अधिक नहीं लेंगे। वे इसे यहूदियों से छीनना चाहेंगे। आप लोगों के एक समूह पर विजय प्राप्त करते हैं और उनकी सारी संपत्ति ले लेते हैं और फिर उसे रोमनों को दे देते हैं। तो मूल रूप से यही यहाँ होने जा रहा है। रोमन कर सीरिया पर दबाव डाल रहे हैं और इसलिए वे इज़राइल के पीछे पड़ने जा रहे हैं।

अब यह आदमी एंटीओकस IV एक अविश्वसनीय रूप से दुष्ट व्यक्ति है। एंटीओकस IV डैनियल की पुस्तक के अध्याय 11 और अन्य स्थानों में होने जा रहा है। वह एंटीक्रिस्ट का पूर्वाभास या पूर्वाभास होने जा रहा है। जब आप एंटीक्रिस्ट के बारे में पढ़ते हैं, तो आपको इस आदमी की कुछ छायाएँ मिलेंगी जो इस आदमी को बहुत ईश्वर-विरोधी के रूप में वापस ले जाती हैं। एंटीओकस IV, वह एंटीओकस III का बेटा है जैसा कि आप उम्मीद करेंगे, वह लगभग 175 ईसा पूर्व में पदभार संभालता है, 163 ईसा पूर्व तक लुढ़कता है वह खुद को एपिफेन्स, एंटीओकस एपिफेन्स, एंटीओकस द इलस्ट्रियस कहता है। लोगों ने शब्दों के खेल में उसका गलत नाम रख दिया, " एपिमेनेस ", जिसका अर्थ है एंटीओकस द मैडमैन। इसलिए एक वास्तविक संघर्ष हुआ। वह हमेशा खुद को इलस्ट्रियस के रूप में देखना चाहता था लेकिन लोग उसे एक पागल के रूप में देखते थे। उसने क्या किया? उसने यहूदियों को जबरन हेलेनाइज़ करने की कोशिश की। उसने जो किया वह यह था कि उसने मंदिर क्षेत्रों में यूनानी देवताओं को स्थापित करने के लिए मजबूर किया। अब यहूदियों के लिए इसका क्या मतलब है? यहूदियों का एक ही ईश्वर है, यहोवा, अब वह मंदिर पर्वत पर मूर्तिपूजक देवताओं की स्थापना कर रहा है। यहूदियों को मंदिर पर्वत पर मूर्तिपूजक देवताओं द्वारा पूरी तरह से अपमानित महसूस हुआ।

उसने लोगों से अपने बच्चों का खतना न करवाने की मांग की। तो अब, जुड़वाँ बच्चों की माँ के जुड़वाँ लड़के हैं, उसे भगवान ने बताया कि उन लड़कों का 8^{वें} दिन खतना किया जाना चाहिए जैसा कि पुराने नियम में कहा गया है। महिला के पास एक विकल्प है। क्या वह भगवान की आज्ञा मानती है या एंटीओकस की आज्ञा मानती है? एंटीओकस एपिफेन्स ने कहा कि खतना नहीं होना चाहिए। इसके बजाय वह भगवान का अनुसरण करती है। वह अपने लड़कों का खतना करती है और एंटीओकस उसके गले में दो बच्चे बाँध देता है और उसे एक चट्टान से नीचे फेंक देता है। दोनों बच्चे और माँ मारे जाते हैं। एंटीओकस एक पागल आदमी है। यह आदमी यहूदियों को हेलेनिज़्म में जबरन शामिल करने की कोशिश कर रहा है। यह वास्तव में बदसूरत और दुष्ट था।

वह वेदी पर सूअर चढ़ाता है। यदि आप यहूदी पृष्ठभूमि के बारे में कुछ जानते हैं, तो आप जानते हैं कि वे हैम नहीं खाते हैं, वे सूअर का मांस नहीं खाते हैं। सूअर को अशुद्ध माना जाता था। इसलिए एक यहूदी व्यक्ति सूअर का मांस नहीं खाता। इसे अशुद्ध माना जाता है, और इसलिए, यह कोषेर नहीं था। इसमें कैन पर K नहीं था। लेकिन सूअरों को वेदियों पर चढ़ाया गया जो पूरी तरह से वेदी का उल्लंघन करता था जिसे भगवान को बलिदान करने के लिए बनाया जाना था। अब यह सूअरों के लिए एक जगह बन गई है जो अशुद्ध है, पूरी तरह से वेदी को अपवित्र करती है। धर्मग्रंथ, सीरियाई लोगों को पुस्तक के महत्व का एहसास है और सीरियाई लोग जब भी उन्हें शास्त्र मिलते थे, उन्हें जला देते थे। इसलिए सीरियाई लोग बहुत यहूदी विरोधी थे, यहूदियों ने हजारों सालों से इस तरह के उत्पीड़न का सामना किया है। हिटलर का जर्मनी सिर्फ एक था, एस्तेर ने अपने दिनों में इसका सामना किया, और अब एंटीओकस एपिफेन्स कुछ ऐसा ही कर रहा है। हालाँकि, एंटीओकस एपिफेन्स सीरिया में दमिश्क से नीचे धकेल रहा है। जब वह कुछ यहूदियों से मिलता है, तो उसे कुछ समस्याएँ होती हैं क्योंकि कुछ यहूदी ऐसे होते हैं जो इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। वे वापस लड़ने जा रहे हैं।

U. पुरोहिताई खरीदना [57:10-60:04]

अब आपके पास कुछ यहूदी हैं जो इस तरह से स्थापित हैं। ओनियास उच्च पुजारी बनना चाहता था। तो अब आपके पास ये सीरियाई लोग हैं जो दबाव डाल रहे हैं इसलिए ओनियास पैसे के लिए उच्च पुजारी खरीदने की कोशिश करता है। तो अब आपके पास हारून और सादोक की

वंशावली से आने और उच्च पुजारी होने के बजाय उच्च पुजारी है, अब उच्च पुजारी सबसे अधिक बोली लगाने वाले के पास है। ओनियास इस पर पैसा खर्च करता है। जेसन एक जिम बनवाता है और हेलेनिज्म अपनाता है, और इसलिए जेसन, यहाँ तक कि "जेसन" नाम भी एक बहुत ही गैर-यहूदी नाम है। इसलिए यह आदमी उच्च पुजारी का पद संभालता है। अंत में, मेनेलॉस, यह आदमी एक जूँ है, मूल रूप से वह बेंजामिन के गोत्र से है। वह यहूदी मंदिर के खजाने को अपने कब्जे में लेता है और उसका उपयोग करता है और सीरियाई लोगों को भुगतान करता है ताकि वह उच्च पुजारी बन सके। वह बेंजामिन के गोत्र से बाहर है। पुजारी बनने के लिए, आपको किस गोत्र से होना चाहिए? लेवी के गोत्र और किसी तरह हारून के वंशज। वह सही गोत्र भी नहीं है और फिर भी वह उच्च पुजारी का पद संभालता है। तो अब उच्च पुरोहिताई का उल्लंघन हो रहा है। यहूदी लोग अपनी बलि चढ़ाने आते हैं, उन्हें बेंजामिन का एक अजीब आदमी मिल गया है जो अब उच्च पुजारी है। यह पूरी तरह से यहूदी संस्कृति का उल्लंघन है।

तो यहूदी संस्कृति को नष्ट करने और उन्हें हेलेनिज्म में ढालने और मूल रूप से उनका दिमाग धोने के लिए ये सभी यहूदी विरोधी प्रयास हैं। खैर, यहूदी इसके खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया करने जा रहे हैं। वेदी क्षेत्र और मंदिर पर्वत में, वह अपनी एक छवि भी स्थापित करता है, और इसे उजाड़ का घृणित कार्य कहा जाता है, जो कि डैनियल पैगंबर द्वारा कई सौ साल पहले, इस समय से 350 साल पहले कहा गया था। वैसे, डैनियल उजाड़ के घृणित कार्य के बारे में बात करने जा रहा है, और यीशु भी डैनियल पैगंबर द्वारा कहे गए उजाड़ के घृणित कार्य का उल्लेख करेंगे। उजाड़ का यह घृणित कार्य एंटीओकस एपिफेन्स द्वारा किया जाता है। वह स्पष्ट रूप से अपनी एक छवि के साथ एक वेदी स्थापित करता है और लोगों को उसकी पूजा करने के लिए मजबूर करता है। इसलिए वह लोगों को अपनी पूजा करने के लिए कहता है, और फिर उस छवि को अंत समय में होने के लिए कहा जाता है। एक होगा, मसीह विरोधी, जो आएगा और सभी लोगों से पूजा की मांग करेगा। तो यहाँ एंटीओकस के साथ जो हमें मिला, वह साइरस जैसा है। जैसा कि आपने देखा कि साइरस एक तरह से यीशु मसीह का पूर्वाभास था, और यीशु ने उसे पूरा किया, यहाँ पर आपको एंटीओकस एपिफेन्स मिला है जो उजाड़ के घृणित कार्य के साथ मसीह विरोधी का अग्रदूत है। तो आपको ये दोनों लोग नए नियम में प्रतिध्वनित होते हुए मिले हैं। तो उजाड़ का यह घृणित

कार्य, मंदिर पर्वत को अपवित्र करना जो कि सर्वशक्तिमान यहोवा परमेश्वर के लिए माना जाता था, अब इस दुष्ट व्यक्ति की छवि के साथ अपवित्र हो गया है और लोगों को पूजा करने के लिए मजबूर किया गया है।

V. मैकाबीज़ [60:04-61:53]

एच. मैकाबीज़

[लघु वीडियो: कंबाइन वीडियो; 60:04-69:07]

कौन आगे आता है? इस बिंदु पर बिग मैक प्रवेश करते हैं। यह लगभग 167 ईसा पूर्व की मैकाबीज़ की पुस्तक है। मैं तारीखों के बारे में ज्यादा नहीं जानता, लेकिन मैं आपको यह बताने की कोशिश कर रहा हूँ कि यह कब की है। टॉलेमी 200 पर चले गए। टॉलेमी हार गए। अब मैकाबीज़ के साथ क्या होता है? ये बिग मैक हैं। सबसे पहले, पिता, मथाथियस हैं। वह एक बूढ़ा आदमी है। सीरियाई दूत अपनी नगर सभा में आता है और मूल रूप से कहता है, "अरे, मथाथियस, मैं चाहता हूँ कि तुम इस चीज़ की बलि चढ़ाओ। यह अशुद्ध है, मुझे नहीं पता कि यह सुअर था या नहीं।" मैं चाहता हूँ कि तुम इस अशुद्ध चीज़ को वेदी पर चढ़ाओ, तुम वहाँ के उच्च पुजारी हो, तुम इस क्षेत्र के पुजारी हो। तो इसे वेदी पर चढ़ाओ और फिर हम तुम्हारे साथ ठीक हैं। हम तुम्हारे साथ खिलवाड़ नहीं करेंगे। तुमने ग्रीक संस्कृति को अपनाया है, तुम ठीक हो, बस इस अशुद्ध चीज़ को वेदी पर चढ़ाओ।" मथाथियस ने जवाब दिया, "अरे, मैं एक बूढ़ा आदमी हूँ, मैंने कभी भी कुछ भी अशुद्ध नहीं चढ़ाया, मैं ऐसा नहीं करने जा रहा हूँ।" खैर, यह बच्चा मथाथियस को देखता है, "अरे, मथाथियस, तुम एक बूढ़े आदमी हो, अगर तुम मारे गए, तो तुमने अपना पूरा जीवन जी लिया। मैं एक छोटा बच्चा हूँ, मेरे सामने मेरा पूरा जीवन है।" तो यह छोटा बच्चा वह लेता है जो अशुद्ध था, ऊपर जाता है, और वह इसे वेदी पर चढ़ाने जा रहा है। बूढ़ा आदमी मथाथियस उस छोटे बच्चे को पकड़ता है जो यहूदी है और उसे वहाँ चढ़ाने से पहले ही उसे मार देता है। तो मथाथियस फिर सीरियाई दूत के खिलाफ विद्रोह करता है लेकिन बूढ़ा आदमी मथाथियस काफी जल्दी मारा जाता है, लेकिन उसके पाँच बेटे हैं। उसके पाँच बेटों को बिग मैक्स कहा जाता है, और वे मैकाबीज़ हैं। उसके पाँच बेटे और मथाथियस फिर सीरियाई लोगों के खिलाफ विद्रोह करते हैं। फिर इन पाँच

लड़कों ने मिलकर मूल रूप से गुरिल्ला युद्ध शुरू किया, उन सीरियाई लोगों के पीछे पड़ गए जो उन्हें हेलेनिज़्म में जबरन शामिल करने की कोशिश कर रहे थे।

W. यहूदा मैकाबीस [61:53-64:04]

पहला व्यक्ति वास्तव में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति है। वह शायद सबसे महत्वपूर्ण है। वह जुडास मैकाबीस है। जुडास मैकाबीस, उसे मैकाबी कहा जाता है, "मैकाबी" का अर्थ है हथौड़ा। जुडास मैकाबीस एक योद्धा था। वे उसे हथौड़ा कहते थे क्योंकि वह चीजों को हथौड़ा मारता था। वह लगभग 6 साल तक जीवित रहा, वह मारा जाने वाला था, लेकिन वह एक योद्धा था। वह विद्रोह में मैकाबीस का नेतृत्व करता है। यह जुडास मैकाबीस वह है जो सीरियाई एंटीओकस एपिफेन्स और उसके जनरलों, लिसियस, गोरगियास और अन्य के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व करता है। जुडास मैकाबी हमला करता है, यरूशलेम तक जाता है, और वास्तव में यरूशलेम पर कब्जा कर लेता है। वह यरूशलेम लेता है और वह मंदिर को शुद्ध करता है। वह इसे लेता है, वैसे, उन्हें इस जैतून के तेल के साथ केवल 7 दिनों का प्रकाश रखना था, और अफवाह यह है कि भगवान ने तेल को गुणा किया ताकि यह 8^{वें} दिन तक रहे, जो वास्तव में दिलचस्प है क्योंकि मंदिर का यह शुद्धिकरण और रोशनी के लिए तेल का गुणा होना तब बन जाता है जिसे रोशनी के पर्व के रूप में जाना जाता है। यहूदी आज भी 167 ईसा पूर्व में मंदिर के मैकाबीन शुद्धिकरण का जश्न मनाते हैं। इसे नए नियम में रोशनी का पर्व कहा जाता है। वास्तव में यीशु मंदिर के इस शुद्धिकरण का जश्न मनाते हैं। आज आप लोग इसे हनुक्का के रूप में जानते हैं। आप कहते हैं, "हैप्पी हनुक्काह।" यह कब होता है? दिसंबर में हमारे क्रिसमस के समय के आसपास। हनुक्का का वह पर्व जूडस मैकाबीस द्वारा शुरू किया गया था जब उन्होंने मंदिर को शुद्ध किया था तो जूडस मैकाबीस वास्तव में एक अच्छा व्यक्ति था, वह निश्चित रूप से एक सेनापति था, एक नेता था, और उसने वास्तव में बहुत अच्छे काम किये थे।

X. एलीज़ार मैकाबियस [64:04-65:51]

अब, हमें उसके कुछ भाइयों के बारे में जानना है। अगला भाई, वास्तव में यह व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन जब आप मैकाबीज़ की पुस्तक पढ़ते हैं, तो यह हमेशा दुखद होता है। मूल रूप से जो हुआ वह यह है कि सीरियाई लोग नीचे आते हैं, अब वे ऊँटों पर हैं। सीरियाई लोग

दमिश्क से हाथियों पर सवार होकर आते हैं और वे इस स्थान पर हमला करते हैं, यह महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन वे बेथज़ूर में हैं। एलीज़र मैकाबी ऊपर देखता है और कहता है, "ठीक है, वे हाथियों पर हैं, हम अपनी छोटी-छोटी छड़ियों, पत्थरों और भालों के साथ ज़मीन पर हैं। वे हाथियों पर सवार हैं और लोग हम पर धनुष और बाण चला रहे हैं। हम मरे हुए मांस हैं। हमें इस व्यक्ति को बाहर निकालना होगा।" तो वह क्या करता है, वह कहता है, "मैं सबसे बड़े हाथी को बाहर निकालना चाहता हूँ," क्योंकि संभवतः सबसे बड़े हाथी पर कौन सवार था? हाँ, जनरल, सबसे बड़ा जनरल सबसे बड़े हाथी पर होगा। इसलिए एलिज़र खुद को हाथी के नीचे ले जाता है ताकि वे उसे गोली न मार सकें, और फिर जब वह हाथी के नीचे होता है, तो वह हाथी को नीचे से छुरा घोंपना शुरू कर देता है। वह सबसे बड़ा हाथी चुनता है और उसके पीछे जाता है। वह नीचे से छुरा घोंपता है लेकिन समस्या यह है कि जब आप हाथी को नीचे से छुरा मार रहे होते हैं, तो हाँ, वास्तव में, उसने हाथी को मार डाला, लेकिन जब हाथी को नीचे से छुरा मारा जाता है और वह मर जाता है, तो हाथी सपाट होकर गिर जाता है और बेचारा एलिज़र हाथी के नीचे कुचला जाता है। तो वह मैकाबीन विद्रोह के महान नायकों में से एक है। मुझे यह आदमी इसलिए पसंद है क्योंकि उसमें बहुत साहस है। वह सबसे बड़े हाथी के पीछे जाता है और अकेले ही हाथी को मार देता है। लेकिन फिर, निश्चित रूप से, जब हाथी उसे कुचल देता है तो वह अपनी जान दे देता है। तो यह एलिज़र है, मैं उसे हाथी आदमी कहता हूँ। इसके लिए क्षमा करें, लेकिन यह मैकाबीज़ की पुस्तक में है, यह वास्तव में दिलचस्प है।

Y. जोनाथन मैकाबियस [65:51- 67:06]

यहूदा योद्धा था। यहूदा सेनापति था। यहूदा ही वह व्यक्ति है जो सीरियाई लोगों, सेल्यूसिड्स और एंटीओकस के खिलाफ युद्ध में गया था। यहूदा द्वारा सीरियाई लोगों को बाहर निकालने के बाद जोनाथन आता है। जोनाथन एक कूटनीतिक भूमिका निभाता है। तो आपके पास एक सैन्य प्रहार है जिसके बाद एक राजनयिक आता है। एक राजनयिक के रूप में, जोनाथन कार्यभार संभालता है और सीरियाई लोग उसे उच्च पुजारी बनने की अनुमति देते हैं। तो अब जोनाथन, एक मैकाबी, उच्च पुजारी बन जाता है। वह पुजारी वंश में है क्योंकि उसके पिता एक पुजारी थे इसलिए सब कुछ ठीक है। फिर जोनाथन ने कूटनीति करने की कोशिश की और सीरियाई लोगों के साथ अच्छे समय बिताने की कोशिश की। वैसे, सीरियाई लोग इतना लड़ना नहीं चाहते क्योंकि सच कहें

तो, सीरियाई लोगों को रोमनों को कर देना पड़ता है। तो अफवाह है कि, सीरियाई लोग मिस्र चले जाते हैं और रोमन लोग आते हैं और उसके चारों ओर एक घेरा बनाते हैं और कहते हैं, "अरे, तुम्हें हमें कर देना होगा।" वह कहता है, "मैं नहीं देना चाहता।" रोमन ने कहा, "इससे पहले कि तुम मंडली छोड़ो, तुम्हें कर चुकाने के लिए सहमत होना होगा।" तो मूल रूप से जोनाथन उनके साथ शांति बनाने की कोशिश करता है और उच्च पुजारी बन जाता है और कूटनीति से काम करने की कोशिश करता है। हालाँकि, जोनाथन विश्वासघात से मारा जाता है।

Z. साइमन मैकाबीस [67:06-69:07]

फिर सबसे छोटा भाई साइमन आगे बढ़ता है। साइमन राजवंश निर्माता है। साइमन और उसके वंशज मैकाबीज़ से राजवंश बनाते हैं जिसे हसमोनियन राजवंश कहा जाता है। साइमन उस हसमोनियन राजवंश का मुखिया है। तो साइमन पाँच मैकाबीज़ लड़कों में से एक है, और फिर वह मूल रूप से अपने वंशजों, पिता-पुत्र, पिता-पुत्र, पिता-पुत्र के माध्यम से एक राजवंश का निर्माण करता है। उसका राजवंश राजा हेरोद महान के समय तक चला। तो हम आगे इस हसमोनियन राजवंश को देखने जा रहे हैं। तो ये सभी मैकाबीज़ हैं। तो मैकाबीज़ ने सीरियाई लोगों को खदेड़ दिया; जूडस ने उनसे लड़ाई की, जोनाथन ने उन्हें कूटनीतिज्ञ बनाया, और फिर साइमन ने एक राजवंश की स्थापना की जो सौ से अधिक वर्षों तक चलेगा। तो साइमन ने फिर हसमोनियन राजवंश की स्थापना की। मैकाबीज़ की पुस्तक इसी के बारे में है। यदि आप इस कक्षा में हैं, तो आप जानते होंगे कि हमने मैकाबीज़ की पुस्तक और वहाँ चल रहे सभी युद्धों को पढ़ा है। यह वास्तव में एक दिलचस्प इतिहास है। वैसे, मैकाबीज़ की पुस्तक प्रोटेस्टेंट विहित पाठ में स्वीकार नहीं की जाती है। इसे अपोक्रीफा माना जाता है। रोमन कैथोलिकों ने इसे स्वीकार किया, प्रोटेस्टेंटों ने नहीं। यह दिलचस्प इतिहास है। मैं कहूँगा कि यह ईश्वर का वचन नहीं है, लेकिन यह दिलचस्प इतिहास है और यह वास्तव में तथ्यात्मक रूप से सटीक है। इसलिए मुझे हमेशा लगता है कि नए नियम के लिए पृष्ठभूमि प्राप्त करने के लिए उस इतिहास को पढ़ना महत्वपूर्ण है। मैकाबीज़ जबरन दूसरी संस्कृति में फिर से संस्कृतिकृत होने के खिलाफ इस प्रतिक्रिया के लिए पृष्ठभूमि की भूमिका निभाने जा रहे हैं। रोम के खिलाफ वही लड़ाई होने जा रही है। वास्तव में रहस्योद्घाटन की पुस्तक में जॉन रोम और ईसाई धर्म पर हावी संस्कृति के बीच उसी संघर्ष या तनाव का वर्णन करने जा रहा है। तब

आप इस पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ देखने जा रहे हैं।

AA. हस्मोनियन राजवंश [69:07-70:55]

I. हस्मोनीन्स

[लघु वीडियो; AA- AD का संयोजन; 69:07-83:20]

चलिए हस्मोनियन राजवंश के बारे में बात करते हैं। फिर हम हेरोदेस के बारे में बात करेंगे। यहाँ कुछ सवाल हैं जो सामने आते हैं। हस्मोनियन कौन हैं? ठीक है, हमने जो कहा वह यह है कि वे साइमन मैकाबीस से निकले राजवंश के वंशज हैं। तो हम पहले से ही जानते हैं। फरीसी और सदूकी कहाँ से आए? हमने वास्तव में इस बारे में बात की कि फरीसी कौन थे और उनकी आदर्शवादी पृष्ठभूमि या आदर्श क्या थे, लेकिन वास्तव में ऐसा कब हुआ? फरीसी और सदूकी वास्तव में कब अस्तित्व में आए? आदर्शों के टकराव के अलावा फरीसी और सदूकी एक दूसरे से नफरत क्यों करते थे? अन्य ऐतिहासिक जड़ें भी हैं। हेरोदेस महान कैसा था? हेरोदेस महान उस समय राजा बनने जा रहा है जब यीशु का जन्म होगा। ज्योतिषी हेरोदेस महान के पास जाने वाले हैं, और ज्योतिषी पूछने वाले हैं, "यहूदियों का राजा जो पैदा हुआ है वह कहाँ है?" हेरोदेस कहेगा, "एक मिनट रुको, मैंने सोचा कि मैं यहूदियों का राजा हूँ।" अब वे कहते हैं "यहूदियों का राजा कहाँ पैदा हुआ है?" फिर वह उन्हें यहूदिया के बेथलेहम में भेजने जा रहा है। तो फिर वह बेथलेहम में जादूगरों को भेजता है और इस तरह की चीजें करता है। हेरोदेस महान कौन था? वह कैसा था? हर कोई हेरोदेस महान से क्यों नफरत करता था? हेरोदेस महान के पास बड़ी समस्याएँ थीं। लोग उससे क्यों नफरत करते थे? उसने बेथलेहम के शिशुओं को क्यों मारा? रोम तस्वीर में कैसे आता है? अब हमारे पास सेल्यूसिड्स और टॉलेमी के माध्यम से ग्रीक संस्कृति है, शुरुआत में टॉलेमी के साथ और फिर बाद में सेल्यूसिड्स के साथ। हमारे पास हेलेनिज़्म, या ग्रीक संस्कृति है, जो इज़राइल पर हावी है। इज़राइल में रोम तस्वीर में कैसे आया? यह सब इन हस्मोनियन वर्षों के दौरान होता है। तो क्या यीशु कुमरान या डेड सी स्क्रॉल से एक एसेन था? एसेन कौन हैं और यीशु का जॉन बैपटिस्ट और अन्य लोगों से क्या संबंध है। तो चलिए सबसे पहले हसमोनियों पर नज़र डालते हैं।

एबी. हस्मोनियन्स: जॉन हिरकेनस [135-104 ईसा पूर्व] [70:55-75:14]

हस्मोनी राजवंश में आने वाला पहला व्यक्ति जॉन हिरकेनस नाम का एक व्यक्ति था। जॉन हिरकेनस, आप उसका नाम यहाँ देख सकते हैं। वह लगभग 135 से 104 ईसा पूर्व तक जाता है। मैं उसकी बात करने के लिए PECC का उपयोग करने जा रहा हूँ। तो यह लगभग 100 ईसा पूर्व से पहले की बात है, जॉन हिरकेनस, वह साइमन के वंशजों में से एक है। साइमन पाँच मैकाबीज़ लड़कों में से एक था। उनके बेटों में से एक, जॉन हिरकेनस, अब इज़राइल पर कब्ज़ा करने जा रहा है। यह तब है जब इज़राइल में पार्टियाँ शुरू होती हैं। जॉन हिरकेनस पार्टियों में से एक है। फरीसी सख्त लोग हैं जो अपनी परंपराओं को बनाए रखना चाहते हैं, हसीदीम और सद्रूकी हेलेनिस्ट बन जाते हैं, ये पार्टियाँ जॉन हिरकेनस के अधीन ध्रुवीकृत हो जाती हैं, पार्टियाँ ध्रुवीकृत हो जाती हैं। यह वह समय है जब फरीसी और सद्रूकी वास्तव में ऐतिहासिक रूप से पैदा हुए, शायद इससे पहले भी कोई रहा हो, लेकिन यह तब है जब वे वास्तव में अलग-अलग दल बन जाते हैं और चीजें घटित होने लगती हैं। जॉन हिरकेनस ने इज़राइल के क्षेत्र का विस्तार किया। इसलिए वह एक विस्तारवादी है। वह इज़राइल की सीमाओं को अपने अधीन कर लेता है और उनका विस्तार करता है। वह एक मजबूत राजा है। अब, यह एक तरह से विडंबना है, है न? याद रखें कि यहूदियों को खतना न करने की आज्ञा दी गई थी और उन्होंने इसका उल्लंघन किया? जॉन हिरकेनस आता है और वह कहता है कि लोगों का एक समूह है जिसे इदुमियन कहा जाता है। अब इदुमियन कौन हैं? इदुमियन रहते हैं, यहाँ इज़राइल है, इदुमियन दक्षिण और पूर्व में, उनके दक्षिण-पूर्व में रहते हैं। इदुमियन को पहले " एदोमाइट्स " कहा जाता था। क्या आपने डी और एम पर ध्यान दिया? एदोमाइट्स और इदुमियन, थोड़े बदलाव के साथ लगभग एक ही चीज़ हैं। एदोमाइट्स कौन से हैं? एदोमाइट्स एसाव से थे। क्या आपको याकूब और एसाव याद हैं? एदोमी एसाव के वंशज थे। पुराने नियम में, एदोमी ने क्या किया? जब भी आप पुराने नियम में किसी एदोमी को देखते हैं, तो एदोमी किसी यहूदी को मार रहा होता है। एदोमी यहूदियों को मारना पसंद करते हैं, यहूदी कभी-कभी एदोमी को मार देते हैं जैसा कि डेविड ने किया था। इसलिए एदोमी और यहूदी आपस में भिड़ गए। एदोमी ने बहुत से यहूदियों को मार डाला, एक एदोमी ने नोब में पुजारियों को मार डाला। जब जॉन हिरकेनस ने सत्ता संभाली, तो वह एदोमी के पास गया और कहा, "अरे, हम यहूदी हैं, हम आपके क्षेत्र पर शासन करते हैं, आप सभी को खतना करवाना होगा।" अब, एक बच्चे के रूप में 8^{वें} दिन

खतना होना एक बात है, लेकिन जब आप 35 साल के आदमी होते हैं और कोई कहता है, "अरे, दोस्त, आपको खतना करवाना होगा।" मैं बस आपको बताना चाहता हूँ, जब आप 35 साल के होते हैं तो यह अच्छा नहीं होता। तो अब जॉन हिरकेनस, संस्कृतियों को अपने हाल पर छोड़ने के बजाय, जो कि उसे करना चाहिए था, वह उन्हें खतना के साथ यहूदी बनने के लिए मजबूर करता है। तो यह विडंबना है। यहूदियों को खतना न करवाने के लिए मजबूर किया गया था और वे इससे नाराज थे, और अब वह शीर्ष पर होने पर लोगों को खतना करवाने के लिए मजबूर कर रहा है। तो आप देख सकते हैं कि जब कोई व्यक्ति नीचे होता है, तो वह यह सारी स्वतंत्रता चाहता है। जब वे शीर्ष पर पहुँच जाते हैं, तो वे हावी होने लगते हैं। आप कभी-कभी यह पैटर्न देखना शुरू करते हैं कि नीचे के लोग, जब वे शीर्ष पर पहुँच जाते हैं, तो सबसे बुरे अत्याचारी होते हैं। और इसलिए, नीतिवचन हमें बताता है कि इस तरह की चीज़ों के कारण किसी दास को राजा न बनने दें। आप इन प्रमुख अत्याचारियों को आते और सत्ता पर कब्ज़ा करते हुए देखेंगे, और वास्तव में क्रूर होंगे क्योंकि वे चीज़ों को नहीं समझते हैं और उन पर हावी हो गए हैं। तो जॉन हिरकेनस ऐसे ही थे।

जॉन हिरकेनस अपने बच्चों के साथ गलती करता है। उसके बच्चे ग्रीक भाषा में प्रशिक्षित हैं। वह अपने बच्चों को ग्रीक संस्कृति में प्रशिक्षित करवाता है। वह चाहता है कि उसके बच्चे प्रगतिशील बनें। उसने उन्हें ग्रीक संस्कृति में प्रशिक्षित करवाया है। नतीजतन, वह अपने बच्चों को खोने जा रहा है। यहूदी धर्म के बजाय ग्रीक संस्कृति उसके बच्चों पर हावी होने जा रही है, वह धर्म जिसमें उसे उन्हें प्रशिक्षित करना चाहिए था। तो मूल रूप से जॉन हिरकेनस है : P का मतलब है पार्टियाँ, E का मतलब है विस्तार, खतना और बच्चे, PECC। एरिस्टोबोलस उसके बच्चों में से एक होने जा रहा है... वह बहुत महत्वपूर्ण नहीं होने जा रहा है।

ए.सी. अलेक्जेंडर जात्रेयस [102-76 ई.पू.] [75:14-78:57]

जो महत्वपूर्ण होने जा रहा है, वह यह आदमी है, अलेक्जेंडर जननेयस। यह साइमन मैकाबी, जॉन हिरकेनस, अरिस्टोबोलस से नीचे आने वाला अगला बड़ा हेसमोनियन शासक है, और फिर अलेक्जेंडर जननेयस। वह एफ केप होने जा रहा है। वह 102 से लगभग 76 ईसा पूर्व तक जाता है। तो हम 76 ईसा पूर्व तक पहुँच रहे हैं, हम नए नियम के समय के और करीब पहुँच रहे हैं। अलेक्जेंडर जननेयस, उसे कुछ समस्याएँ थीं। वह सद्कियों का अधिक पक्षधर था। इसलिए वह

झोपड़ियों के पर्व पर बाहर है, जो कि पतझड़ में है, आमतौर पर सितंबर या उसके आसपास, और वह झोपड़ियों के पर्व पर है। झोपड़ियों के पर्व पर, यहूदी आते हैं, और सभी लोग आते हैं, और वे एक छोटी सी ताड़ की शाखा के साथ पूजा करने जा रहे हैं, और उनके हाथ में एक छोटा सा नींबू भी होगा। वे पूजा करने के लिए आने वाले हैं। अलेक्जेंडर जानियस ऊपर जाने वाला है और वह पवित्र जल लेने जा रहा है और उसे पवित्र स्थानों पर पवित्र जल डालना है। इसलिए उसे इन पवित्र स्थानों पर पवित्र जल डालना है। अलेक्जेंडर जानियस सोचता है, यह पवित्र जल बकवास है। इसलिए अलेक्जेंडर जानियस इसे जमीन पर डाल देता है और पवित्र जल को अपवित्र कर देता है। अब आपके पास ये सभी पारंपरिक लोग हैं जिनके हाथ में नींबू हैं और राजा बस पानी डालता है, जिससे पानी जमीन पर अपवित्र हो जाता है। सभी लोग क्या करते हैं? खैर, दुनिया के उस हिस्से में लोग चीजें फेंकना पसंद करते हैं, है न? क्या किसी ने कभी देखा है कि राष्ट्रपति बुश पर जूता फेंका गया था? क्या लोगों को फेंकना पसंद है? वे पत्थर फेंकते हैं और वास्तव में वे ज्यादातर यही करते हैं, वे लोगों पर पत्थर फेंकते हैं। इन सभी लोगों के हाथ में नींबू हैं, राजा पानी को अपवित्र करता है, ये सभी लोग राजा पर नींबू फेंकना शुरू कर देते हैं। अब, वैसे, जब राजा पर नींबू फेंके गए, तो उसे यह पसंद नहीं आया। राजा क्या करने जा रहा है? ये लोग यहाँ गरीब लोग हैं, वह बहुत बड़ा राजा है, तो वह क्या करता है? वह फरीसियों को बुलाता है और लगभग 800 फरीसियों को सूली पर चढ़ा देता है। क्या यह वास्तव में एक दुष्ट बुरी बात है? क्या यह दोस्तों को जीतने और लोगों को प्रभावित करने का एक तरीका है? फरीसियों को सूली पर चढ़ाना? वह सद्दूकी प्रकार का है, आप देखते हैं कि फरीसियों और सद्दूकियों के बीच संघर्ष क्यों होने जा रहा है। यह केवल इतना ही नहीं है कि उनके आदर्श अलग हैं, बल्कि वे आदर्श इस तरह के संघर्ष में काम करते हैं जिसमें अलेक्जेंडर जननेयस द्वारा 800 फरीसियों को सूली पर चढ़ाया जाता है। इसलिए विविधता के मामले में यह आदमी एक बुरा आदमी है। वह सभी समूहों को आत्मसात करने की कोशिश करता है। जब आप समूहों को जबरन आत्मसात करने की कोशिश करते हैं, तो क्या यह फिर से काम करता है या आप दुश्मन और बड़ी समस्याएँ पैदा कर रहे हैं? तो यह जबरन आत्मसात एक बड़ी समस्या है। विडंबना यह है कि जब फरीसियों ने यहां मारपीट की, तो फरीसी मदद के लिए किसके पास गए? फरीसी मदद के लिए सीरियाई लोगों के पास गए। अब, क्या आपको यह विडंबना नहीं लगती? पहले

सीरियाई लोग यहूदियों को हेलेनाइज़ करने के लिए मजबूर कर रहे थे, और अब फरीसी जो अधिक पारंपरिक हैं, उन्हें सदूकियों द्वारा पीटा जा रहा है, और वे सीरियाई लोगों के पास जाते हैं क्योंकि फरीसी गरीब लोग हैं और सदूकी अमीर लोग हैं और मूल रूप से उन्हें मदद की ज़रूरत है, उन्हें सैन्य मदद की ज़रूरत है। तो वे किसके पास जाते हैं? वे सीरियाई लोगों के पास जाते हैं, जो उनके पूर्व दुश्मन थे। वे अब अपने दुश्मनों के पास वापस जाते हैं और इस तरह यह उलटफेर होता है जहाँ आपका दुश्मन आपका दोस्त बन जाता है और इस आम दुश्मन, सदूकियों से लड़ता है। तो यह एक तरह की विडंबना है। अलेक्जेंडर जानियस फिर से क्षेत्र का विस्तार करने की कोशिश करता है और ऐसा करता है। तो यह अलेक्जेंडर जानियस है, कुछ क्रूर चीजें।

ए.डी. सैलोमी एलेक्जेंड्रा [78:57-83:20]

जब अलेक्जेंडर जानियस का निधन हो जाता है, तो उनकी पत्नी पदभार संभालती हैं। और इसलिए अब यह अलग है। साइमन के अधीन जॉन हिरकेनस, साइमन द मैकाबीज़, जॉन हिरकेनस, एरिस्टोबोलस की गिनती नहीं की गई, और जॉन हिरकेनस, अलेक्जेंडर जानियस, और अब, अलेक्जेंडर जानियस की पत्नी पदभार संभालने जा रही हैं और उनका नाम सैलोम एलेक्जेंड्रा है। उनका एक्रोस्टिक HA MEPS है। वह मूल रूप से क्या करने जा रही हैं? उनके दो बेटे हैं, वह एक माँ हैं, वह कहती हैं, क्या एक माँ हमेशा उन चीजों को विभाजित करने की कोशिश करती है जो उचित हैं। आपके दो बेटे हैं, आपकी दो बेटियाँ हैं, सब कुछ उचित रूप से विभाजित होना चाहिए। इसलिए माँ को इसे बीच में विभाजित करना होगा। आप कहते हैं, "क्या होगा अगर एक बच्चे का वजन 240 पाउंड है और दूसरी बेटा का वजन 100 पाउंड है।" सवाल यह है कि क्या आपको निष्पक्ष होना है? क्या आप इसे बीच में विभाजित करते हैं? खैर, इस बच्चे को ज़्यादा खाने की ज़रूरत है, इस बच्चे को ज़्यादा खाने की ज़रूरत नहीं है। इसलिए निष्पक्षता का मतलब हमेशा बीच में बाँटना नहीं होता। लेकिन आप जानते हैं, सैलोम एलेक्जेंड्रा, वह चीज़ों को बीच में बाँटने जा रही है। तो वह क्या करती है कि उसके दो बेटे हैं, जिनमें से एक का नाम हिरकेनस है। यह याद रखना आसान है, हिरकेनस को उच्च पुजारी का पद मिलता है। तो वह कहती है, " ठीक है, हिरकेनस, तुम्हें उच्च पुजारी का पद मिलता है।" यह अच्छा है कि वे दोनों 'एच' अक्षर से शुरू होते हैं। "तो हिरकेनस, तुम्हें उच्च पुजारी का पद मिलता है।" " अरिस्टोबोलस," उसका दूसरा बेटा,

"तुम्हें सेना मिलती है।" अरिस्टोबोलस और सेना, वे एक साथ चलते हैं। इसलिए वह इसे मूल रूप से अपने दो बेटों के बीच बाँट देती है। हिरकेनस को उच्च पुजारी का पद मिलता है, अरिस्टोबोलस को सेना मिलती है।

अब उसने क्या किया है? उसने सत्ता संरचना को इस तरह से दो भागों में विभाजित कर दिया है, उसके दोनों बेटों को आधा-आधा मिलता है, लेकिन फिर भी समस्या क्या है? आपके पास एक सेना है और दूसरा उच्च पुरोहित है। प्रश्न। जैसे ही वह दृश्य से बाहर निकलती है, वे दो भाई क्या करने जा रहे हैं? क्या भाई लड़ते हैं? हाँ। तो ये दो भाई लड़ने जा रहे हैं। उनमें से एक के पास सेना होगी और दूसरे के पास उच्च पुरोहित होगा। और इसलिए शायद अगर आपके पास सेना है, तो यह आपके पक्ष में होगा। तो अब यह एक समस्या बन जाती है। वह इसे स्थापित करती है, जिस तरह से वह चीजों को विभाजित करती है। उसने एरिस्टोबोलस से शादी की और फिर उसने अलेक्जेंडर जानियस से शादी की। तो उसने लगातार भाइयों से शादी की। हमने यीशु के साथ ऐसा देखा है। क्या किसी को यीशु और सद्कियों की याद है? आप जानते हैं, एक महिला थी जो एक आदमी से विवाहित थी, उसका पति मर जाता है, उसके कोई बच्चे नहीं होते, फिर वह अगले भाई से शादी करती है, और अगले भाई से, और फिर अगले भाई से, आखिरकार सभी सातों ने उसे पा लिया। इसलिए, पुनरुत्थान में वह किसकी पत्नी होगी? यह मत्ती अध्याय 22 या 23 में है। पुनरुत्थान में वह किसकी पत्नी होगी? यहाँ आप देख सकते हैं, सलोमी एलेक्जेंडर ने एक भाई से विवाह किया और उसके बाद अगले भाई से विवाह किया। इसलिए उसने लगातार दो से विवाह किया।

वह शिक्षा को बढ़ावा देती है और लोगों को शिक्षित करने का प्रयास करती है। यह अच्छी बात है। इसलिए वह फरीसियों से जुड़ती है। वह अपने पति से ज़्यादा रूढ़िवादी है, जो ऐसा नहीं था, वह सद्कियों से ज़्यादा जुड़ा हुआ था। वह फरीसियों से ज़्यादा जुड़ती है। लेकिन फिर वह इसे अपने बेटों के साथ बाँट लेती है। उसके अधीन सद्कियों को ज़्यादा दुर्व्यवहार सहना पड़ता है। इसलिए वह फरीसियों से ज़्यादा जुड़ती है, इसलिए अब सद्कियों को उसके अधीन मुश्किल समय का सामना करना पड़ता है। अब, आगे क्या होता है? हमने कहा कि वह इस दृश्य से दूर हो जाएगी, और अब भाई क्या करने जा रहे हैं? आप क्या सोचते हैं? हिरकेनस द्वितीय, वह उच्च पुरोहिती लेता है। अरिस्टोबोलस और सद्कियों को सेना मिलती है। अरिस्टोबोलस सेना लेता है और फिर वे

हिरकेनस द्वितीय के उच्च पुरोहिती के खिलाफ़ मार्च करते हैं। फिर अरिस्टोबोलस ने कमान संभाली। हिरकेनस, उसे उच्च पुरोहिती मिली। उसके पास अपने भाई से लड़ने के लिए सैन्य उपकरण नहीं हैं। तो क्या होता है कि वह एरेटस के पास जाता है, जो एदोम में इदुमिया के साथ है और इन लोगों को उस समय नाबातियन कहा जाता था, वे देशद्रोही थे जो इज़राइल के दक्षिणी भाग में आए थे। वह दक्षिण में मदद के लिए नाबातियन एरेटस के पास जाता है और वहाँ से सैन्य मदद पाने की कोशिश करता है। तो आपको जो मिलता है वह ये है कि ये दो भाई आपस में लड़ रहे हैं। एरिस्टोबोलस बनाम हिरकेनस, सेना बनाम उच्च पुरोहित। उच्च पुरोहित के पास शक्ति नहीं होती है, इसलिए वह नाबातियन को पकड़ता है और नाबातियन को अपने पक्ष में लड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश करता है। और वे लड़ते हैं।

एई. रोम [83:20-85:57]

रोम और हेरोदेस

[लघु वीडियो: संयुक्त AE-AG; 83:20-94:41]

कौन हस्तक्षेप करता है? कौन लड़ाई नहीं चाहता? कौन साम्राज्य में शांति चाहता है? साम्राज्य में शांति चाहने वाला रोम है क्योंकि जब उनके पास शांति होती है, तो वे कर एकत्र कर सकते हैं और सब कुछ ठीक चलता है। जब उनके दो भाई आपस में लड़ रहे होते हैं, तो वे उनसे कर का पैसा नहीं ले सकते, वे क्या करने जा रहे हैं? तो क्या होता है 63 ईसा पूर्व में रोम, और यह एक बड़ा परिवर्तन है, दो भाई, एरिस्टोबोलस और हिरकेनस 63 में आपस में लड़ रहे हैं। रोम हस्तक्षेप करता है और कहता है कि पीछे हटो, भाइयों, अब और लड़ाई नहीं, प्रत्येक अपने कोने में, आप जानते हैं, यहाँ कुछ समय निकालो। मूल रूप से 63 ईसा पूर्व में रोम हस्तक्षेप करता है और फिलिस्तीन पर कब्जा कर लेता है। तो 63 में रोम ने कब्जा कर लिया, पोम्पी नामक एक रोमन जनरल आया, मंदिर पर्वत में पवित्र स्थान में चला गया, चारों ओर देखा, जाहिर तौर पर कुछ भी नहीं देखा, कहा, "अरे यहाँ कुछ भी नहीं है," पवित्र स्थान के चारों ओर चला गया, फिर बाहर चला गया। वह पोम्पी था, 63 ईसा पूर्व, पवित्र स्थान में चला गया। एंटीपेटर के लड़के, जो इदुमियन हैं, दक्षिण से इदुमियन हैं, उनके लड़कों को रोम में प्रशिक्षित किया जाता है। इसलिए एंटीपेटर कहते हैं, "अरे, ये यहूदी हमेशा एक-दूसरे से लड़ते रहते हैं, तुम मेरे लड़कों में से किसी एक को यहूदियों का राजा

क्यों नहीं बना देते? तो मुझे एहसास हुआ कि हम इदुमियन हैं।" क्या इदुमियन और यहूदी जैसे भी बहुत अच्छे से नहीं मिलते थे? एंटीपेटर का रोम से संबंध है। इसलिए वह जो करता है वह यह है कि वह रोमन सरकार से अनुरोध करता है। अब, रोमन सरकार की संरचना में हमारे पास विभिन्न चीजें हैं और मैं इस पर और चीजों पर बहुत समय नहीं बिताना चाहता, लेकिन सीनेटरियल प्रांत, आपको रोम से संरचना मिली है। आपको सम्राट मिला है, ढेर के शीर्ष पर। आपको नीचे सीनेट मिली है, या फिर जो भी विन्यास था, सम्राट, सीनेट, और फिर आपको सीनेटरियल प्रांत मिले हैं। आपके पास सेनाएँ, रोमन सेनाएँ और विभिन्न सेनापति, और रोमन सेनाएँ और सेंचुरियन हैं, और फिर आपके पास आम लोग हैं और आपके पास साम्राज्य में दास हैं। तो आपके पास शाही प्रांत हैं, आपके पास सेनाएँ हैं, सेना की सेनाएँ हैं जो सम्राट को जवाब देती हैं, और फिर आपके पास इस तरह का ग्राहक राज्य सेटअप है। यह ग्राहक राज्य सेटअप है जहाँ इज़राइल रोम का ग्राहक राज्य होगा। तो वह संरक्षक और ग्राहक की तरह होगा, और इज़राइल एक ग्राहक के रूप में तब करों का भुगतान करना होगा। और उन्हें क्या लाभ हुआ? उन्हें शांति और सद्भाव प्रदान किए जाने से लाभ हुआ। रोम इसे ऐसा बनाएगा कि यह शांति और सद्भाव हो ताकि वे व्यापार कर सकें। और जो वे करेंगे वह यह है कि उन्हें करों का भुगतान करना होगा और अच्छा व्यवहार करना होगा और लड़ाई नहीं करनी होगी। तो मूल रूप से आपके पास यह रोम था और फिर ये ग्राहक राज्य नीचे जा रहे थे।

ए.एफ. हेरोदेस महान [85:57-90:52]

अब, हेरोदेस, हेरोदेस एंटीपेटर का बेटा था। फिर हेरोदेस को रोम में रखा गया। यह हेरोदेस महान है, जैसा कि हमने पहले कहा था, वह 4 ईसा पूर्व में मर जाता है। वास्तव में यीशु का जन्म लगभग 5 ईसा पूर्व में हुआ था और यह हेरोदेस महान है। यह वही है जो बाइबिल में दर्ज है। इसके ठीक पहले के समय में, आपके पास जूलियस सीज़र और जिसे फर्स्ट ट्रायमवीरेट कहा जाता है। जूलियस सीज़र, क्या आपको याद है कि सीज़र ने इसे अटका दिया और आपको "एट टू, ब्रूट" मिला। ब्रूटस ने उसे मार डाला। और इसलिए आपके पास जूलियस सीज़र सर्वोच्च नेता बन गया। लगभग 44 ईसा पूर्व में उसकी हत्या कर दी गई। यह हेरोदेस महान के समय से ठीक पहले की बात है। यह जूलियस सीज़र के साथ फर्स्ट ट्रायमवीरेट है। हेरोदेस, लगभग 37 ईसा पूर्व में, हेरोदेस को यहूदियों का राजा बनाया गया। इसलिए एंटीपेटर रोम से यह कहते हुए अनुरोध करता है, "अरे, मेरे

बेटों में से एक को इस प्रांतीय क्षेत्र का प्रमुख बनाओ।" और इसलिए रोम कहता है, "ठीक है, हम हेरोदेस को ले लेंगे और तुम्हारे बेटे हेरोदेस को यहूदियों का राजा बना देंगे।" उसे हेरोदेस महान कहा जाता है। हम देखेंगे कि वह महान क्यों है और वह इतना महान क्यों नहीं है। लेकिन हेरोदेस को यहूदियों का राजा बनाया गया।

वैसे, जब उसे यहूदियों का राजा बनाया गया, तो क्या आप देख सकते हैं कि हेरोदेस थोड़ा परेशान क्यों हुआ? ज्योतिषी पूर्व से तारे का अनुसरण करते हुए आते हैं, वे यरूशलेम आते हैं, और वे पूछते हैं: "हेरोदेस, वह कहां है जो यहूदियों का राजा पैदा हुआ है?" क्या हेरोदेस यहूदियों का राजा पैदा हुआ था या उसे रोम ने यहूदियों का राजा बनाया था? तो अब ज्योतिषी आते हैं और पूछते हैं, "वह कहां है जो यहूदियों का राजा पैदा हुआ है?" हेरोदेस इस बात से थोड़ा परेशान हो जाता है। मैं यहूदियों का राजा हूँ, आप जानते हैं? इसलिए यदि आप यहूदी नहीं हो सकते, और आप एक इट्टमी हैं। आप एसाव के वंशजों में से एदोम के वंश के हैं, एसाव एदोमी बन गया और एदोमी इट्टमी बन गया। आप एक इट्टमी हैं, आप हेरोदेस हैं तो वह हेरोदेस की तरह है, हेरोदेस एक तरह का लोमड़ी है, वह मरियम्रे से शादी करता है। मरियम्रे एक हसमोनी है। अब हसमोनी क्या है? हसमोनी का मतलब है कि वह साइमन द मैकाबी, जॉन हिरकेनस, अलेक्जेंडर जानियस, सभी मैकाबीज़ की वंशावली से है। हसमोनी लोग मक्काबी के समय से ही इज़राइल के नेता थे। हसमोनी लोग जो इज़राइल के नेता थे। इसलिए वह यहूदियों की इस राजकुमारी से शादी करता है जो मक्काबी के समय से ही चली आ रही है। इसलिए वह बहुत होशियार है। वह मरियम्रे से शादी करता है।

अब कुछ समस्याएँ होने जा रही हैं। उस समय मिस्र में एक महिला थी और उसका नाम क्लियोपेट्रा था। क्लियोपेट्रा मिस्र में थी। क्लियोपेट्रा हेरोदेस से नफरत करती थी। क्या सत्ता में बैठी महिला की अवमानना से भी बदतर कुछ हो सकता है? इसलिए वह कहती है, "ठीक है, हेरोदेस, मैं तुम्हें पसंद नहीं करती, तुम एक बदमाश हो," और वह शायद बदमाश था। इसलिए वह उसे रेगिस्तान में इन सभी जंगली जानवरों का पीछा करने के लिए भेजती है। और वह कहती है, "हेरोदेस, मैं चाहती हूँ कि तुम बेडौइन का पीछा करो क्योंकि अरब में कुछ बेडौइन हैं। तुम्हें रेगिस्तान में जाकर इन लोगों का पीछा करना होगा।" हेरोदेस कहता है, "यह क्या है, मैं इन बेडौइन

का पीछा कर रहा हूँ? ये बेडौइन कोई नहीं हैं। वे रेगिस्तान के बीच में ऊँटों पर सवार होकर चलते हैं। मैं ऐसा नहीं करना चाहता। मैं अपने महल में अपने शाही दल के साथ बैठना चाहता हूँ।" "नहीं," वह कहती है, "तुम्हें बाहर जाकर इन लोगों का पीछा करना होगा।" इसलिए हेरोदेस को क्लियोपेट्रा द्वारा इन सभी जंगली हंसों का पीछा करने के लिए भेजा जाता है। जंगली हंसों के पीछा करने के एक मामले में। हेरोदेस अपने एक आदमी से कहता है, "अगर मैं वापस नहीं आया, तो तुम मरियम (उसकी पत्नी) को मार डालो। अब जाहिर है क्योंकि महिला यहूदी थी और गार्ड जाहिर तौर पर यहूदी था, गार्ड ने मरियम से कहा कि, "हेरोदेस ने कहा कि अगर वह वापस नहीं आया, तो वह तुम्हें मार डालेगा।" क्या यह पति-पत्नी के रिश्ते के लिए वाकई अच्छा है? पति युद्ध के लिए चला जाता है, अगर वह वापस नहीं आता है, तो पत्नी को बताया गया है कि उसे मार दिया जाएगा। कहने की ज़रूरत नहीं है, उनके रिश्ते में दरार पड़ने लगती है और हेरोदेस आखिरकार मरियमने को मार देता है, ठीक है। वह उन लोगों में से एक थी जिस पर वह भरोसा करता था। मैंने यरुशलम में एक नाटक देखा जिसमें हेरोदेस पागलों की तरह इधर-उधर भाग रहा था। हेरोदेस पागल था। खैर, वास्तव में, क्या यह पागलपन है जब लोग वास्तव में आपको मारना चाहते हैं? शायद यह पागलपन नहीं है। लेकिन वह पागलों की तरह इधर-उधर भाग रहा था, " मरियमने , मरियमने , वापस आओ, वापस आओ," और उसने ही अपनी पत्नी को मार डाला। हेरोदेस ने अपनी पत्नी को मार डाला, जिस पत्नी से वह कथित तौर पर प्यार करता था और इसलिए यह आपको दिखाता है कि वह किस तरह का आदमी था।

ए.जी. कैसरिया में हेरोदेस का बंदरगाह और निर्माण परियोजनाएँ [90:52-94:41]

क्लियोपेट्रा की शादी मार्क एंथनी से हुई है। आपको मिस्र में मार्क एंथनी और क्लियोपेट्रा मिल गए हैं। यह एक दूसरा त्रिमूर्ति है, और फिर आपको ऑगस्टस मिलता है, ऑगस्टस सीज़र, जो खुद को उद्धारकर्ता कहता है, और वह अच्छी खबर है, मूल रूप से ल्यूक की पुस्तक में घोषणा है। ऑगस्टस सीज़र का समय वह है जब यीशु का जन्म हुआ। फिर हेरोद महान राजा है, और ऑगस्टस सीज़र है, और यह नए नियम के लिए एक तरह की सेटिंग है। हेरोद के बारे में मैं दो और बातें कहना चाहता हूँ। हेरोद एक बड़ा बदमाश था। उसने अपनी पत्नी को मार डाला, और मैं आपको कुछ और दिखाने जा रहा हूँ जिसने उससे भी बुरा या उतना ही बुरा किया।

हेरोद प्राचीन दुनिया के महान बिल्डरों में से एक था। हेरोद एक अविश्वसनीय बिल्डर था। भूमध्य सागर के तट रेखा के साथ, जोप्पा में केवल एक बंदरगाह था। हम इसे आज तेल अवीव कहते हैं। सड़क के ठीक ऊपर वह कहता है, "मैं कैसरिया में अपना खुद का बंदरगाह बनाना चाहता हूँ।" इसलिए वह जोप्पा या तेल अवीव से तट पर जाता है, और वह भूमध्य सागर पर कैसरिया नामक एक जगह बनाता है। लेकिन ऐसा करने के लिए, क्योंकि रेत ऊपर-नीचे हो रही है, वह इन विशाल पत्थरों को लेता है और उन्हें अपना खुद का बंदरगाह बनाने के लिए समुद्र में गिरा देता है। याद रखें, वह इन विशाल पत्थरों को समुद्र में गिराकर और अपने लिए एक बंदरगाह बनाकर, जहाँ पहले कोई बंदरगाह नहीं था, वहाँ एक बंदरगाह बनाता है। अब आप पानी के नीचे चट्टानों को कैसे जोड़ते हैं? खैर, आम तौर पर, यदि आप पानी के ऊपर हैं, तो आप सीमेंट नामक चीज़ का उपयोग करते हैं। हेरोद, और मुझे लगता है कि यह रोम में जाना जाता था, ने पानी के नीचे सीमेंट को जमाने का एक तरीका निकाला। इसलिए हेरोद ने पानी के नीचे सीमेंट लिया और चट्टानों को पानी के नीचे सीमेंट से जोड़ा। वैसे, वे विशाल पत्थर और आप आज भी उपग्रह छवि पर देख सकते हैं। आप उस बंदरगाह को देख सकते हैं जिसे हेरोदेस ने बनाया था। यह बिल्कुल अविश्वसनीय है। वैसे, कैसरिया में कौन जेल में है जिसे हेरोदेस ने मूल रूप से बनाया था? पॉल कैसरिया में कुछ साल बिताएंगे, क्योंकि वह यरूशलेम में मुकदमे की प्रतीक्षा कर रहे हैं और फिर अंततः वहाँ से रोम भेजे जाएंगे। इसलिए कैसरिया तट रेखा पर एक बड़ी चीज बन जाती है। हेरोदेस ने उस बंदरगाह और सभी प्रकार की चीजों का निर्माण किया। हेरोदेस एक निर्माता था। हेरोदेस एक अविश्वसनीय निर्माता था। वैसे, मंदिर के बारे में बात करते हुए, हेरोदेस ने मंदिर पर्वत का विस्तार किया, एज्रा-नहेमिया के समय में बनाया गया छोटा मंदिर लिया, और उसने इसे फिर से बनाया और इसे प्राचीन दुनिया के सात अजूबों में से एक बना दिया। एक विशाल मंच पर एक विशाल मंदिर, और वह मंच, वैसे, आज भी अल अक्सा मस्जिद पर डोम ऑफ द रॉक द्वारा उपयोग किया जाता है। हेरोदेस का वह मंच अभी भी अस्तित्व में है और अभी भी इस्तेमाल किया जा रहा है, लोग आज भी उस मंच पर चलते हैं। इसलिए हेरोदेस ने मंदिर का पुनर्निर्माण किया और इसीलिए यीशु ने कहा "इस मंदिर को नष्ट कर दो और मैं इसे तीन दिनों में खड़ा कर दूंगा," और लोग बस घबरा गए। हेरोदेस को 46 साल लगे, आप यह कैसे करने जा रहे हैं? वैसे, आज तक, और अगर

आपको मेरा कार्यक्रम "गेट लॉस्ट इन जेरूसलम" मिलता है, तो आप पश्चिमी दीवार तक जा सकते हैं, जिसे वे वेलिंग वॉल कहते हैं। यहूदी अब इसे पश्चिमी दीवार कहना पसंद करते हैं। यह दूसरे मंदिर का आखिरी हिस्सा है जो बचा है। जब आप पत्थरों के पास जाते हैं और आप वहाँ इन विशाल पत्थरों को देखते हैं, तो आप इसके चारों ओर के फ्रेम से ही हेरोदेस के पत्थर को पहचान सकते हैं। इसलिए मैं उस दीवार तक जा सकता हूँ और मैं यह पता लगा सकता हूँ कि हेरोदेस ने वहाँ कौन से पत्थर रखे थे और कौन से नहीं क्योंकि हेरोदेस के पत्थर बहुत अच्छी तरह से गढ़े गए थे। वे इतने अच्छी तरह से गढ़े गए थे कि आप पत्थरों के बीच रेजर ब्लेड नहीं डाल सकते थे, वे एक साथ इतने अच्छे से फिट हो गए थे। हेरोदेस एक अविश्वसनीय निर्माता था, उसने मंदिर का पुनर्निर्माण किया, यह वह दूसरा मंदिर है जिसमें यीशु आने वाला है। यीशु जाकर हेरोदेस के मंदिर से पैसे बदलने वालों को बाहर निकाल देगा।

एच. मसादा [94:41- 100:09]

के. मसादा, हेरोदेस के बेटे

[लघु वीडियो: एच-एआई का संयोजन; 94:41-1:02:55 अंत]

अब यहाँ जो आखिरी जगह उसने बनाई वह थी मसादा। उसने वास्तव में जॉर्डन और बेथलेहम के पास कुछ जगहें बनाईं, बेथलेहम के पास हेरोदियन और अन्य जगहें। हेरोद पागल था। उसे लगा कि लोग उसे मारने की कोशिश कर रहे हैं। समस्या यह है कि क्या लोग उसे मारने की कोशिश कर रहे थे? बहुत संभावना है, वे थे। इसलिए हेरोद डर गया, इसलिए उसने जो किया वह यह था कि वह मसादा नामक जगह पर चला गया। और मैं आपको मसादा की कहानी बताना चाहता हूँ ताकि कहानी खो न जाए। अमेरिका में, हमारे पास अलामो है। और अलामो फिर कभी नहीं होगा, जैसे कि आखिरी अलामो। जब अलामो की पीठ दीवार से सटी थी, तो अलामो गिर गया। हेरोद ने मसादा का निर्माण किया। मसादा एक मेसा है जो मृत सागर से ऊपर जाता है, यह मृत सागर के नीचे है, यह वास्तव में नीचे गर्म है, और यह लगभग 1200 फीट ऊपर जाता है, सीधे ऊपर, और वहाँ, मुझे नहीं पता, इस मेसा के शीर्ष पर 30, 40, या 50 एकड़ जमीन है। एक साँप का रास्ता है जो इसके सामने से ऊपर जाता है, और यह 1200 फीट ऊपर है, और फिर शीर्ष पर यह चीज़ है। हेरोदेस ने शीर्ष पर कुण्ड खुदवाए और उसने उन कुण्डों को पानी से भर दिया। तो उसने भर दिया,

और मैं सिर्फ 100 गैलन, 200 गैलन की बात नहीं कर रहा हूँ, ये दसियों हज़ार गैलन पानी है जो उसने वहाँ रखा था। उसने स्टोर रूम भी बनाए और उसके पास स्टोर रूम की बड़ी इमारतें हैं जहाँ उसने गेहूँ और जौ के दाने जमा किए। तो वहाँ भोजन था, और वहाँ पानी था। अरे, आपके पास भोजन और पानी है, क्या आप भोजन और पानी के साथ लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं? तो जो हुआ वह यह कि हेरोद ने उत्तरी छोर पर महलों के साथ मसादा का निर्माण किया। खैर, हेरोद की मृत्यु हो गई, यीशु आए और चले गए, और 70 ईस्वी में रोमनों द्वारा मंदिर को नष्ट कर दिया गया। रोमनों के समय यहूदियों ने यरूशलेम को नष्ट कर दिया और फिर कुछ यहूदी मसादा की ओर भाग गए और ये यहूदी मसादा की चोटी पर चढ़ गए, मुझे लगता है कि मसादा की चोटी पर लगभग 900 यहूदी थे। और उन्होंने कहा, "हम रोम के अधीन नहीं होंगे।" उन्होंने रोम को अपनी नाक में दम कर दिया, और अधीन नहीं हुए। वे मसादा की चोटी पर थे। रोमन मृत सागर के पास आए और वे हमला करने वाले थे और अचानक, उन्होंने ऊपर देखा, और सोचा, "हे भगवान, यह 1200 फीट ऊंची चीज है, यार, हम क्या करने जा रहे हैं?" और ऊपर के लोगों के पास पीने के लिए सारा पानी है; नीचे के लोग मृत सागर के बगल में हैं। समुद्र तल से 1270 फीट नीचे और 33% नमक होने के अलावा मृत सागर में क्या समस्या है? अगर तुम वह पानी पी लोगे तो तुम जल्दी ही मर जाओगे। वहाँ पानी नहीं है, तुम्हें वापस एन जाना होगा। गेडी और अन्य स्थानों पर पानी के लिए जाना पड़ता है, लेकिन वहाँ पर्याप्त पानी नहीं है।

तो मूल रूप से यहूदी ऊपर हैं, उन पर हंसते हुए कह रहे हैं, "रोमनों, सूरज तुम्हें पका देगा, यार।" और यहूदी इतिहासकार जोसेफस ने इसका वर्णन किया है। यह लगभग 73 ई. की बात है। रोमनों ने 70 ई. में मंदिर को नष्ट कर दिया और मैं चाहता हूँ कि आप उस तिथि को जानें, 70 ई. में मंदिर नष्ट हो गया। यह उसके लगभग 3 साल बाद की बात है। आप रोम को अपनी नाक नहीं दिखा सकते, भले ही आप 900 लोग हों और आपके पास जितना पानी और भोजन हो, वह सब ऊपर हो। यह 1200 फीट की सीधी ऊंचाई पर है, आप रोम को अपनी नाक नहीं दिखा सकते। रोम ने वहाँ एक वास्तुकार को भेजा, और वास्तुकार ने कहा कि ठीक है, हमें उस पहाड़ को लेना होगा और इसे ऊपर की ओर धकेलना होगा ताकि इस तक एक रैंप बनाया जा सके ताकि हम सभी दीवारों को गिराने के लिए रैंप पर चढ़ सकें। और फिर हम वहाँ पहुँच सकते हैं। हमें यह रैंप बनाना

है।" आप इस रैंप को कैसे बनाने जा रहे हैं? यह 1200 फीट सीधा ऊपर है। रोमनों ने बुशेल, बुशेल, बुशेल गंदगी, गंदगी, गंदगी के बाद शुरू किया और उन्होंने मासाडा के पहाड़ के पीछे की तरफ रैंप बनाया। उन्होंने मासाडा के निचले हिस्से में रैंप बनाया। यह अभी भी 800, 900 फीट की तरह है, सीधे ऊपर, वे इसे बनाते हैं। उन्हें एक और पहाड़ को नीचे गिराना है, लेकिन वे इसे करते हैं। वे यहूदी दासों और अन्य लोगों का उपयोग करके इसे करते हैं, लेकिन फिर वे इसे करते हैं। वे वहाँ चीजें रखते हैं ताकि वे एक बैटरिंग रैम को ऊपर उठा सकें। वे बैटरिंग रैम को ऊपर उठाते हैं, मुझे लगता है, कुछ अफवाहों के अनुसार उन्हें इस रैंप को बनाने में 3 साल लग गए। वे रेगिस्तान में तीन साल तक इस चीज़ को बनाते रहे। अन्य लोग कहते हैं कि उन्होंने इसे जल्दी किया। तो आप यहाँ बैटरिंग रैंप को ऊपर खींच रहे हैं। फिर यहूदियों के पास यहाँ आग है, और यहूदी बैटरिंग रैंप पर आग लगाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उनके पास लोहा है वे इसे सामने से तोड़ रहे थे और इसे दीवार पर ले आए और दीवार पर पीटना शुरू कर दिया।

वहाँ ऊपर यहूदियों को एहसास हुआ कि अगले दिन रोमन लोग घुसने वाले हैं। अगले दिन रोमन लोग घुसने वाले हैं। उनके पास वहाँ 900 लोग हैं। वे वहाँ सुरक्षित रहे हैं, रोमन उन्हें पकड़ नहीं पाए लेकिन रोमन आखिरकार वहाँ पहुँच गए। वे इसे तहस-नहस कर देंगे। खैर, अगला दिन आता है, रोमन रात भर बैठे रहते हैं, वे अगले दिन ऊपर आते हैं, और तोड़फोड़ करने वाला रैंप बन जाता है, और वे दीवार को तोड़ देते हैं। लेकिन आप जानते हैं क्या? उस दिन वहाँ कोई शोर नहीं था। जब रोमन मसादा की चोटी पर आए, तो वहाँ उनका स्वागत करने वाला कोई नहीं था। वहाँ 900 यहूदी मरे हुए थे। उन सभी ने खुद को मार डाला था और आत्महत्या कर ली थी। मसादा की चोटी पर 900 यहूदी मरे हुए थे। रोमनों को इससे क्या मिला? गर्म रेगिस्तान में 3 साल काम करने के बाद उन्हें क्या मिला? रेगिस्तान के बीच में 900 यहूदी मरे हुए थे। यही मसादा की कहानी थी। यहूदी आज तक कहते हैं: मसादा फिर कभी नहीं होगा। और आज भी, आप वायु सेना के जेट को मसादा के ऊपर से उड़ते हुए देख सकते हैं। मसादा फिर कभी नहीं होगा। मसादा का निर्माण हेरोद महान ने किया था। हेरोद महान सभी समय के महानतम निर्माणकर्ताओं में से एक था। बिल्कुल, बिल्कुल अविश्वसनीय।

ए.आई. हेरोदेस और उसके बेटे [100:09-102:55]

अब, हेरोदेस के बारे में एक और बात। सीज़र ने हेरोदेस के बारे में कहा। "मैं हेरोदेस का पति बनना पसंद करूँगा, उसके पति से नहीं।" मैं हेरोदेस का पति [सुअर] बनना पसंद करूँगा, उसके पति [बेटे] से नहीं।" यहूदियों के सम्मान में हेरोदेस सुअर नहीं खाता था और न ही मारता था। हालाँकि, हेरोदेस ने अपने बेटों के साथ क्या किया? वह इस बात से घबराया हुआ था कि कोई उसे मारने की कोशिश करने वाला है। उसे कौन मारने की कोशिश करेगा? आमतौर पर यह घर के अंदर की तरह की चीज़ें होती हैं। इसलिए हेरोदेस ने जो किया वह यह था कि हेरोदेस ने आदेश दिया कि उसके बेटों को मार दिया जाए।

मुझे याद है कि जब मैं और मेरा बेटा यरूशलेम से नीचे आ रहे थे, हम नीचे आए, वास्तव में हम न्यू टेस्टामेंट जेरिको तक गाड़ी से गए। न्यू टेस्टामेंट जेरिको ओल्ड टेस्टामेंट जेरिको से अलग है। न्यू टेस्टामेंट जेरिको को सभी कांटेदार तारों से ढका गया था। इसलिए मैं और मेरा बेटा कांटेदार तारों के बीच से चढ़ गए, और मैंने अपने बेटे को कुण्ड में खड़ा कर दिया, वह न्यू टेस्टामेंट जेरिको में एक कुंड में खड़ा था। क्या आप जानते हैं कि मैंने ऐसा क्यों किया? क्योंकि हेरोदेस ने अपने बेटे के साथ उस कुंड में क्या किया था? हेरोदेस ने अपने बेटे को जेरिको के कुंड में भेजा और फिर अपने गार्ड से कहा कि वे बच्चे को पानी के नीचे पकड़ें और उसे कुंड में डुबो दें। इसलिए मूल रूप से मैं, एक बुरा पिता होने के नाते, अपने बेटे को कुंड में उतरने के लिए कहा, मैंने तस्वीर खींची, उसे नहीं पता था कि क्या हो रहा है, लेकिन मैं इसे फिर से नाटकीय बनाने की कोशिश कर रहा था। अब वहाँ कहीं भी पानी नहीं था। लेकिन वैसे भी यह बस कुछ था, फिर हम कांटेदार तारों के बीच से वापस आए और निकल पड़े।

लेकिन "मैं हेरोदेस के बेटे [हुइओस] की अपेक्षा उसका सुअर [हस] बनना पसंद करूँगा।" यहूदियों के सम्मान के लिए हेरोदेस ने सुअरों की रक्षा की। यहूदियों के सम्मान के लिए उसने सुअरों को नहीं मारा और सुअरों को नहीं खाया। उसने सुअरों को नहीं मारा। लेकिन उसने अपने व्यामोह और अन्य चीज़ों के कारण अपने ही बेटों को मार डाला। यह हेरोदेस महान है।

हेरोदेस महान नए नियम में क्या करने जा रहा है? आप लोगों ने मैथ्यू की पुस्तक से शुरुआत की है। और मैथ्यू अध्याय 2 की पुस्तक: बुद्धिमान पुरुष, शिशु, मिस्र से नासरत तक। हेरोदेस क्या करने जा रहा है? हेरोदेस अपने ही बेटों को मारने जा रहा है और मैथ्यू अध्याय 2 में, वह बेथलेहम

के शिशुओं को मारने जा रहा है जो दो साल से कम उम्र के हैं और उससे कम उम्र के हैं, वह उन्हें मारने जा रहा है। क्या हेरोदेस के लिए यह एक बड़ी बात थी? हेरोदेस ने अपनी पत्नी को मार डाला और अपने ही बेटों को मार डाला। बेथलेहम शहर में शायद 12 बच्चों को मारना। यह एक छोटा शहर है। दो साल से कम उम्र के बच्चों को मारना क्या इतनी बड़ी बात है? हेरोदेस की दुष्टता के संदर्भ में यह महत्वहीन है। बाहरी इतिहास की पुस्तकों में इसका उल्लेख भी नहीं है। लेकिन इसी तरह से नए नियम की शुरुआत होती है। शक्तिशाली राजा हेरोदेस शिशुओं को मारता है और यीशु, परमेश्वर के पुत्र, हेरोदेस की हत्या से बच जाते हैं, और यहूदियों का राजा हमेशा-हमेशा के लिए दाऊद के सिंहासन पर शासन करने जा रहा है। खैर, हम अगली बार इसे वहीं से लेंगे। दोपहर के लिए धन्यवाद और शुभकामनाएँ।

यरीम ओह

द्वारा लिखित जेन स्ट्रुका

द्वारा संपादित टेड हिल्डेब्रांट द्वारा संपादित रफ